डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

PG-5

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG-8

सिनेमाःआपको रुला देगी कश्मीरी पंडितों की दुर्दशा पर बनी ये फिल्म

वर्ष -08 अंक -12 | प्रयागराज, शनिवार 12 मार्च, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

रेल यात्रियों के लिए अच्छी खबर, यात्रा के दौरान ट्रेनों में फिर से कंबल-चादर देगा रेलवे

नई दिल्ली। यात्रियों को एक बड़ी राहत देते हुए रेलवे ने ट्रेनों में सफर के दौरान फिर से कंबल और चादर मुहैया कराने का फैसला किया है। इस सिलसिले में गुरुवार को आदेश जारी कर दिया गया। रेलवे बोर्ड ने सभी रेलवे जोन के महाप्रबंधकों को जारी आदेश में कहा कि यह सुविधा तत्काल प्रभाव से बहाल कर दी जाएगी। बताते चलें कि देश में कोविड-19 के मामले बढ़ने के बाद कुछ प्रतिबंध लगाए गए थे। इसके तहत प्रोटोकाल बदल दिया गया था और यात्रियों के लिए ट्रेन में मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) लागू कर दी गई थी। इस बदले हुए प्रोटोकाल को कोविड संबंधी दिशा-निर्देशों में सूचीबद्ध किया गया था। इसमें कहा गया था कि ट्रेनों में यात्रियों को कंबल, चादर की कोई सुविधा नहीं दी जाएगी। रेल मंत्रालय द्वारा हाल में ही जारी आदेश में कहा गया, ट्रेनों में कंबल चादर मुहैया कराने को लेकर अब तक लागू प्रतिबंधों को वापस लेने का फैसला लिया गया है। यह काम तत्काल प्रभाव से किया जाएगा। उपलब्धता के अनुसार अब इसकी आपूर्ति उसी तरह की जाएगी, जिस तरह कोविड से पहले के दौर में की जाती थी। उल्लेखनीय है कि लगभग दो साल के अंतराल के बाद देशभर में यह सुविधा फिर से बहाल की जा रही है।

14 मार्च से शुरू होगा बजट सत्र का दूसरा चरण, इन मुद्दों पर बयान देंगे विदेश मंत्री

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण 14 मार्च से शुरू होगा। राज्यसभा और लोकसभा की कार्यवाही सुबह 11 बजे से शुरू हो जाएगी। राज्यसभा के सभापति वैंकेया नायडू और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की संयुक्त बैठक में दोनों सदनों की बैठकों के बंदोबस्त पर विशेष चर्चा हुई। बता दें कि इससे पहले बजट सत्र 31 जनवरी को शुरू हुआ था जो 11 तक चला था।बजट सत्र के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर भी बयान देंगे। उच्च सूत्रों के मुताबिक विदेश मंत्री एस जयशंकर यूक्रेन युद्ध और आपरेशन गंगा को लेकर संसद में बयान देंगे।बता दें कि कोरोना संक्रमण के चलते बजट सत्र को दो चरणों में चलाने का फैसला लिया गया था। पिछले कई सत्रों में कोविड के चलते कई बार कटौती करनी पड़ी थी। इस दौरान कोविड प्रोटोकाल के चलते संसद के दोनों सदनों को अलग-अलग पालियों में बैठाया गया।

सारे मिथक तोड़ रहा ब्रांड मोदी, 'एंटी इनकंबैंसी की जगह 'प्रो इनकंबैंसी' मजबूती से स्थापित जाति के पिंजड़े से बाहर आने लगा चुनाव

नई दिल्ली। वर्ष 2014 के चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे को आगे रखते हुए भाजपा ने तीन दशक के एक मिथक को तोड़ा था कि गठबंधन राजनीति के काल में कोई पार्टी अपनी दम पर बहुमत नहीं ला सकती। उसके बाद के कई चुनावों और खासकर 2017 में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की अभूतपूर्व जीत ने ब्रांड मोदी को पूरी तरह स्थापित कर दिया। वर्ष 2019 के बाद 2022 में चार राज्यों में दोबारा पार्टी को सत्ता में लाकर प्रधानमंत्री मोदी ने 'एंटी इनकंबैंसी' की जगह 'प्रो इनकंबैंसी' की शब्दावली को मजबूती से खड़ा कर दिया ह दरअसल, पांच राज्यों के चुनाव नतीजों का सबसे बड़ा निहितार्थ यह है कि अब चुनाव जाति के पिंजड़े से बाहर आने लगा है। शासन, प्रशासन और विकास अब केंद्रीय भूमिका में आने लगा है। योजनाओं की घोषणा के बजाय उन्हें जमीन तक पहुंचाने की कवायद अब चर्चा में शामिल हो गई है। यह तय हो गया है कि वोटर उसी के साथ खड़े होंगे जो युवाओं, महिलाओं और पिछड़ों के सपनों को जगा सकता है और उन्हें पूरा करने का विश्वास पैदा कर सकता है। मोदी की छाया में भाजपा इसे बखूबी जमीन पर उतार रही है। देश में फिलहाल प्रशासन के दो माडल सबसे चर्चित हैं- पहला भाजपा माडल और दूसरा दिल्ली माडल। कई मानकों पर दोनों माडल में कुछ समानताएं भी हैं और कई मानकों पर भेद। एक माडल जिसमें नीचे तक लाभार्थी को लाभ पहुंचाने की कोशिश होती है, सख्त फैसले

होते हैं और सुविधाओं को बढ़ाने की बात की जाती है। दूसरा माडल जिसमें मुफ्त बिजली, पानी जैसे मुद्दे जनता को भाते हैं। एक माडल कई राज्यों में लगातार विश्वास हासिल कर रहा है और दूसरा माडल घिसे-पिटे तौर तरीके से राहत का वादा करता है। दोनों माडल में एक समानता होती है कि नेताओं का संवाद नीचे तक जारी रहता है। पंजाब में दिल्ली माडल ने धूम मचा दी, वस्तुतः दिल्ली को ही दोहरा दिया। ध्यान रहे कि दिल्ली में 15 साल से कांग्रेस की सरकार थी जिसे आप ने ध्वस्त किया और पंजाब में भी 10 साल से कांग्रेस की सरकार थी। दिल्ली में जरूर भाजपा का संगठन मौजूद है, लेकिन पंजाब में दूसरा कोई माडल टक्कर में खड़ा ही नहीं था। पर यह सच है कि आप वहां सबसे विश्वसनीय पार्टी बन गई। ये तौर तरीके कुछ दूसरे राज्यों में भी क्षेत्रीय दलों की ओर से अपनाए जा रहे हैं, लेकिन एक प्रदेश से बाहर वह जनता के सपनों को नहीं जगा पा रहे हैं। जाहिर है कि पंजाब में आप की जीत विपक्ष के अंदर भी हलचल मचाएगी। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की बड़ी जीत के साथ-साथ मणिपुर और गोवा में भी दोबारा सत्ता हासिल कर भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी ने एक बहुत बड़ी लकीर खींच दी है। एक ऐसी लकीर जो जातिवाद से परे है, ऐसी लकीर जो विकास के साथ आस्था को लेकर संवेदनशील है, एक ऐसी लकीर जिसमें नेतृत्व किसी भी दाग से परे है और ऐसी लकीर जो परिवारवाद के खिलाफ है। मालूम हो कि 2019 के चुनाव में मुलायम सिंह यादव परिवार के कई खिलाड़ी पैवेलियन लौट गए थे। इस बार आप की आंधी में पंजाब में अकाली दल परिवार घर बैठ गया है। ये चुनाव नतीजे गठबंधन को भी परिभाषित करते हैं। ध्यान रहे कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने तीन चुनावों में गठबंधन के हर विकल्प का प्रयोग कर लिया है। पहले कांग्रेस के साथ, फिर बसपा के साथ और इस बार रालोद व भाजपा को छोड़कर आए कुछ दलों के साथ। बल्कि भाजपा का साथ छोड़कर सपा में गए कई नेता भी पस्त हो गए। जो नेता चुनाव जिताने-हराने का दावा करते थे, वे खुद हार गए। यानी गठबंधन की सफलता असफलता भी मुख्य दल की विश्वसनीयता के साथ जुड़ी होती है। फिलहाल भाजपा विश्वसनीय और जिताऊ गठबंधन का आधार बन गई है और मोदी की छाया में प्रो इनकंबैंसी का उदाहरण। उत्तर प्रदेश में लगातार दूसरी बार एक ही पार्टी की सरकार का उदाहरण 37 साल बाद दोहराया गया है।

हार के बाद बदलाव को लेकर कांग्रेस में फिर संग्राम के संकेत, असंतुष्ट नेता पार्टी नेतृत्व पर फिर सवाल उठाने की तैयारी में जुट

नई दिल्ली। 'हम केवल चुनाव हारे हैं, पर हिम्मत नहीं हारे, हम कहीं नहीं जा रहे, हम लौटेंगे नए बदलाव के साथ, नई रणनीति के साथ' पांच राज्यों के चुनाव में मिली करारी शिकस्त के बाद इन शब्दों के जरिये कांग्रेस ने मुश्किल में हौसला रखने का चाहे जितना भावुक संदेश दिया हो मगर इस हौसला अफजाई से पार्टी नेताओं का टूटता सब्र रुक पाएगा इसकी गुंजाइश अब नहीं दिख रही। कांग्रेस की सियासी प्रासंगिकता पर लगातार गहराते सवालों से बेचैन हो रहे कुछ वरिष्ठ असंतुष्ट नेता ताजा हार के बाद पार्टी संगठन की बदहाली के साथ एक बार फिर नेतृत्व की रीति-नीति के संचालन पर मुखर आवाज उठाने की तैयारी में जुट गए हैं। कांग्रेस की इस चिंताजनक स्थिति के मद्देनजर वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने तो दो टूक कह दिया है कि प्रासंगिक बने रहना है तो पार्टी के संगठनात्मक नेतृत्व में बदलाव को अब टाला नहीं जा सकता। पार्टी में उठने वाले बवंडर की आशंका को देखते हुए पार्टी ने नतीजों के तत्काल बाद कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक बुलाकर आत्ममंथन करने का एलान भी कर दिया है। लेकिन कांग्रेस की मौजूदा दुर्दशा के बीच अपने सियासी भविष्य के साथ विपक्षी राजनीति में पार्टी की प्रासंगिकता को लेकर बेचैन कांग्रेस के असंतुष्ट खेमे के नेता अब शायद ही चुप रहेंगे। इस बात के पुख्ता संकेत हैं मौजूदा हार के मद्देनजर असंतुष्ट जी-23 नेताओं की ओर से एक बार फिर उन सवालों को मुखरता से उठाया जाएगा जिन्हें अगस्त 2020 में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को भेजे गए पत्र में उठाया गया था। इस पत्र में उठाई गई प्रमुख मांगों में शीर्ष से लेकर ब्लाक स्तर तक संगठन चुनाव कराने के अलावा, तत्काल संसदीय बोर्ड और स्वतंत्र केंद्रीय चुनाव समिति बनाने से लेकर पार्टी के संचालन और रीति-नीति का फैसला करने के लिए एक मेकेनिज्म बनाने की मांग शामिल थी। शशि थरूर ने ट्वीट कर बदलाव के मुद्दों पर अब दाएं-बाएं झांकने की गुंजाइश नहीं होने का साफ संदेश देते हुए कहा, 'सभी कांग्रेसी विधानसभा चुनाव नतीजों से आहत हैं। यह समय है कि हम इस बात को एक बार फिर स्थापित करें कि कांग्रेस भारत की वैचारिक आत्मा के प्रति समर्पित है और देश को सकारात्मक एजेंडा दे सकती है। हमें अपने संगठनात्मक नेतृत्व में इस तरह का सुधार करना है जो इन विचारों के साथ ही लोगों को प्रेरित कर सके।'

यूपी की नई डबल इंजन सरकार में डिप्टी सीएम के लिए स्वतंत्रदेव सिंह और पूर्व राज्यपाल बेबीरानी प्रबल दावेदार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 में प्रचंड बहुमत के साथ भाजपा दोबारा सरकार बनाने में तो सफल रही,

लेकिन उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य सहित ग्यारह मंत्री चुनाव हार गए। अब नई सरकार में नए सिरे से मंत्रिमंडल का गठन होना है। तय है कि अब मंत्रिमंडल के सहारे भाजपा 2024 के लिए रणनीति की चौसर सजाएगी। क्षेत्रीय-जातीय संतुलन साधते हुए न सिर्फ हारे मंत्रियों के स्थान पर भरपाई नए विधायकों से की जाएगी, बल्कि फिर से दो उपमुख्यमंत्री बनाए जा सकते हैं, जिसके लिए विभिन्न समीकरण पूरे करते हुए प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह और आगरा ग्रामीण से विधायक चुनी गई पूर्व राज्यपाल बेबीरानी मौर्य की दावेदारी प्रबल मानी जा रही है। विधानसभा चुनाव के ऐन पहले केंद्रीय मंत्रिमंडल और फिर योगी मंत्रिमंडल के विस्तार में जिस तरह से भाजपा ने जातीय-क्षेत्रीय संतुलन साधने का प्रयास किया, उसका ध्येय यह चुनाव था। ऐसे में तय है कि योगी सरकार 2 के गठन में 2024 में होने जा रहे लोकसभा चुनाव की रणनीति शामिल होगी। दरअसल, सिराथू विधानसभा सीट से लड़े उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य चुनाव हार चुके हैं तो डा.दिनेश शर्मा चुनाव नहीं लड़े हैं। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि उपमुख्यमंत्री पदों के लिए नए चेहरे तलाशे जाएं। उत्तराखंड की राज्यपाल रहीं बेनीरानी मौर्य को इस पद का दावेदार माना जा रहा है। दलित चेहरा होने के साथ वह महिला भी हैं। लिहाजा उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाकर पार्टी एक तीर से दो संदेश देना चाहेगी। चूंकि, आगरा में भाजपा की झोली में एक बार फिर नौ में से नौ सीटें डाल दी है, इसलिए उस क्षेत्र को प्राथमिकता मिलने की उम्मीद है।

रूस-यूक्रेन में आज भी जंग जारी, बाइडन रूस से खत्म करेंगे व्यापार संबंध, आयात पर भी लगा सकते हैं टैरिफ

कीव। रूस-यूक्रेन में तीसरे सप्ताह भी युद्ध जारी है। इस बीच रूस ने यूक्रेन से रूस के लिए दैनिक मानवीय गलियारे खोलने का ऐलान किया है। रूस के रक्षा मंत्रालय के अनुसार अब हर दिन सुबह दस बजे तक लोग यूक्रेन से रूस सुरक्षित कारिडोर से जा सकेंगे। उधर यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने मारियूपोल में सुरक्षित कारिडोर पर रूस द्वारा हमला करने का आरोप लगाया है। बता दें कि अभी तक 1,00,000 लोगों की दो दिनों में सुरक्षित निकासी हो चुकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन शुक्रवार को रूस के साथ सामान्य व्यापार संबंधों को समाप्त करने का ऐलान करेंगे। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के चलते बाइडन आयात पर भी टैरिफ को बड़ा सकते हैं। बता दें कि यह कदम संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके सहयोगियों द्वारा पुतिन पर द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप में सबसे बड़े युद्ध

को समाप्त करने के लिए दबाव बनाने का प्रयास है। रूस द्वारा हमले झेल रहे यूक्रेन के लिए अमेरिका ने एक बार फिर सैन्य और मानवीय सहायता का एलान किया है। आज ही यूएस सीनेट ने यूक्रेन के लिए सैन्य और मानवीय सहायता के रूप में 13.6 बिलियन डालर के आपातकालीन पैकेज को मंजूरी दे दी है। भारत सरकार द्वारा आपरेशन गंगा तेजी से काम कर रहा है। आज भी यूक्रेन में फंसे 200 भारतीय नागरिकों को एक विशेष विमान के दिल्ली लाया गया है। बता दें कि इससे पहले भी एक विशेष विमान 242 भारतीयों को लेकर पोलैंड से लौटा था। अमेरिका द्वारा यूक्रेन में सैन्य जैविक गतिविधियां करने के रूस के दावे पर आज संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद एक बैठक करेगा जिसमें इस बात पर चर्चा होगी। गौरतलब है कि गुरुवार को ही संयुक्त राष्ट्र में रूस के उप राजदूत दिमित्री पार्लीस्की ने एक ट्वीट के जरिए आरोप लगाया था कि बाइडन प्रशासन यूक्रेन में रासायनिक और जैविक प्रयोगशाला चला रहा है।यूक्रेन में अमेरिका चला रहा जैविक प्रयोगशालाएं, रूस के इस दावे पर आज संयुक्त राष्ट्र परिषद करेगा बैठक न्यूयार्क, एपी। रूस-यूक्रेन में छिड़ा युद्ध आज भी जारी है। रूस यूक्रेन को इस युद्ध में हराने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहा है। इस बीच रूस ने दावा किया है कि अमेरिका यूक्रेन के क्षेत्र में सैन्य जैविक गतिविधियां कर रहा है। रूस के इस दावे पर अब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद आज एक बैठक करेगा जिसमें इस बात पर चर्चा होगी। बता दें कि गुरुवार को ही संयुक्त राष्ट्र में रूस के उप राजदूत दिमित्री पार्लीस्की ने एक ट्वीट के जरिए यह मांग की थी। रूस का आरोप है कि बाइडन प्रशासन यूक्रेन में रासायनिक और जैविक प्रयोगशाला चला रहा है। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा द्वारा लगाए गए इन आरोपों का व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव जेन साकी ने ट्वीट के जरिए जवाब दिया। साकी ने चेताते हुए कहा कि रूस यूक्रेन के खिलाफ रासायनिक या जैविक हथियारों का उपयोग कर सकता है, जिस पर उसने आक्रमण किया है। साकी ने रूस के दावे को बेतुका बताया और कहा कि यह रूस द्वारा यूक्रेन पर अपने आगे के पूर्व नियोजित हमले को सही ठहराने की एक स्पष्ट चाल है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने इस बीच कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन जो यूक्रेनी सरकार के साथ काम कर रहा है उसने यूक्रेनी सरकार की ओर से इस प्रकार की किसी भी गतिविधि को नकारा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने पहले ही आक्रमण का बहाना बनाने के लिए रूस के इस झूठ के बारे में चेतावनी दी थी।

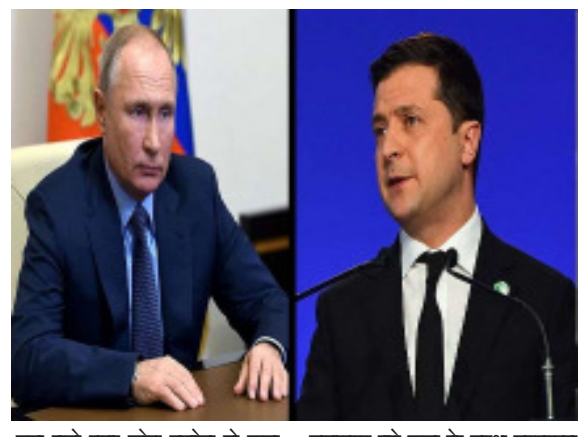

दस बजे तक लोग यूक्रेन से रूस सुरक्षित कारिडोर से जा सकेंगे। उधर यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की शुक्रवार को रूस के साथ सामान्य व्यापार संबंधों को समाप्त करने का ऐलान करेंगे।

अंतरराष्ट्रीय महिला न्यायाधीश दिवसः सुप्रीम कोर्ट में पहली बार मना समारोह, ने कहा कानूनी शिक्षा में लड़कियों को मिले आरक्षण

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश एनवी रमना ने न्यायपालिका में महिला न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने के लिए कानूनी शिक्षा में लड़कियों के आरक्षण का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि जागरूकता और राजनीतिक इच्छाशक्ति जुटाने के लिए अंतरराष्ट्रीय महिला न्यायाधीश दिवस का बहुत महत्व है। महिलाओं को न्यायपालिका में शामिल करने और आगे बढ़ाने की जरूरत पर बल देते हुए जस्टिस रमना ने कहा कि प्रतिभा पूल को समृद्ध करने के लिए वे दृढ़ता से कानूनी शिक्षा में लड़कियों के लिए आरक्षण का प्रस्ताव करते हैं। आंकड़े देखने से पता चलता है कि महिलाओं को जिला स्तर पर न्यायिक अधिकारी नियुक्त करने के उत्साहजनक परिणाम मिले हैं। प्रधान न्यायाधीश ने यह भी कहा कि पैनल एडवोकेट नियुक्त करते समय महिलाओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। जस्टिस रमना ने यह बात 10 मार्च को सुप्रीम कोर्ट में पहली बार आयोजित अंतरराष्ट्रीय महिला न्यायाधीश दिवस समारोह में कही।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि तेलंगाना में न्यायिक अधिकारियों में 52 प्रतिशत, असम में 46 प्रतिशत, आंध्र प्रदेश में 45 प्रतिशत, ओडिशा में 42 प्रतिशत और राजस्थान में 40 प्रतिशत महिलाएं हैं। उन्होंने कहा, 'मैं दृढ़ता के साथ महसूस करता हूं कि महिलाओं को आरक्षण देने की नीति सभी स्तरों और सभी राज्यों में लागू की जानी चाहिए।प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि इस समय सुप्रीम कोर्ट में चार महिला न्यायाधीश हैं। यह अब तक सबसे ज्यादा संख्या है। निकट भविष्य में हम पहली महिला प्रधान न्यायाधीश को भी देखेंगे। लेकिन अब भी हम न्यायपालिका में महिलाओं का 50 प्रतिशत प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने से दूर है। कानूनी पेशा अब भी पुरुष प्रधान है। यहां महिलाओं का प्रतिनिधित्व बहुत कम है। उन्होंने कहा कि वह न्यायिक व्यवस्था में इस असंतुलन को दूर करने के लिए अपने स्तर पर सबसे ज्यादा प्रयास कर रहे है। सीजेआइ ने कहा, प्रधान न्यायाधीश का पद ग्रहण करने के बाद मैने सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की नौ रिक्तियां भरीं। इसमें तीन महिलाओं को न्यायाधीश बनाया। इसके लिए मैं कोलेजियम के अपने साथी न्यायाधीशों को धन्यवाद देता हूं। जस्टिस रमना ने कहा कि हाई कोर्ट के लिए कोलेजियम ने 192 नामों की संस्तुति की थी, जिनमें 37 महिलाएं थीं।

प्रयागराज चुनाव 2022 रिजल्ट : 8 सीटों पर भाजपा की जीत, 4 सीटों पर समाजवादी पार्टी को मिली सफलता प्रयागराज जिले में सभी 12 विधानसभा सीटों पर मतदान पांचवें चरण में 27 फरवरी को संपन्न हुआ

प्रयागराज ।जिले में सभी 12 विधानसभा सीटों पर मतदान पांचवें चरण में 27 फरवरी को संपन्न हुआ। 2017 के चुनाव में भाजपा का इस जिले में दबदबा रहा। भाजपा ने 12 में से 9 सीटों पर जीत दर्ज की थी, जबकि बसपा दो सीट और एक सीट पर सपा ने बाजी मारी थी। भाजपा गठबंधन के कैंडिडेट जीत। यह सुरक्षित सीट है। बारा सीट पर भाजपा गठबंधन में शामिल अपना दल से वाचस्पति, सपा गठबंधन से अजय कुमार मुनन, बसपा से शिव प्रकाश और कांग्रेस से मंजू संत मैदान में थे। 2017 में भाजपा से अजय कुमार ने जीत दर्ज की थी। बीजेपी के सिद्धार्थनाथ सिंह जीते। इलाहाबाद पश्चिम सीट पर भाजपा से सिद्धार्थ नाथ सिंह, सपा गठबंधन से रिचा सिंह, बसपा से गुलाम कादिर और कांग्रेस से तस्लीमुद्दीन प्रत्याशी थे। 2017 में भाजपा से सिद्धार्थनाथ सिंह जीते थे। समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार जीते। हंडिया सीट पर भाजपा गठबंधन में शामिल निषाद पार्टी से प्रशांत सिंह, सपा गठबंधन से हाकिम चंद्र बिंद, बसपा से नरेंद्र कुमार त्रिपाठी और कांग्रेस से रीना देवी बिंद मैदान में थे। 2017 में

बसपा से हाकिम लाल जीते थे। बीजेपी की जीत। कोरांव सीट पर भाजपा से राजमनि, सपा गठबंधन से रामदेव निडर, बसपा से राजबली जैसल और कांग्रेस से रामकृपाल कोल उम्मीदवार थे। 2017 में भाजपा से राजमनी ने जीत दर्ज की थी। बीजेपी समर्थित निषाद पार्टी की जीत। करछना सीट पर भाजपा गठबंधन में शामिल निषाद पार्टी से पीयूष रंजन, सपा गठबंधन से उज्जवल रमन सिंह, बसपा से अरविंद कुमार और कांग्रेस से रिंकी सुनील पटेल मैदान में थे। 2017 में सपा से उज्जवल रमन सिंह जीते थे। सपा की जीत। मेजा सीट पर भाजपा से नीलम करवरिया, सपा गठबंधन से संदीप पटेल, बसपा से सर्वेश चंद्र तिवारी और कांग्रेस से माधवी राय मैदान में थे। 2017 में भाजपा से नीलम करवरिया जीती थीं। बीजेपी की जीत। फाफामऊ सीट पर भाजपा से गुरुप्रसाद मौर्य, सपा गठबंधन से अंसार अहमद, बसपा से ओमप्रकाश पटेल और कांग्रेस से दुर्गेश पांडे मैदान में थे। 2017 में भाजपा से विक्रमाजीत जीते थे। बीजेपी की जीत। फूलपुर सीट पर भाजपा से प्रवीण कुमार पटेल, सपा गठबंधन से मुर्तजा सिद्दीकी, बसपा से रामतौलन यादव और कांग्रेस से सिद्धनाथ मौर्य मैदान में थे। 2017 में भाजपा से प्रवीण कुमार जीते थे। सपा की जीत। प्रतापपुर सीट पर भाजपा गठबंधन में शामिल अपना दल से राकेश धर त्रिपाठी, सपा गठबंधन से विजमा यादव, बसपा से घनश्याम पांडे और कांग्रेस से संजय तिवारी मैदान में थे। 2017 में बसपा से मुज्तबा सिद्दीकी जीते थे। सपा की जीत। सोरांव सीट पर भाजपा गठबंधन में शामिल अपना दल से जमना प्रसाद सरोज, सपा गठबंधन से गीता पासी, बसपा से आनंद भारती और कांग्रेस से मनोज पासी मैदान में थे। 2017 में भाजपा समर्थित अपना दल से जमना प्रसाद ने जीत दर्ज की थी।

कौन हैं डिप्टी सीएम केशव मौर्य का किला ढहाने वाली पल्लवी पटेल

प्रयागराज। जी हां, इन दिनों तेजी से पल्लवी पटेल का नाम लोगों की जुबां पर आया है। और ऐसा हो भी क्यों न, ये वही हैं जिन्होंने भाजपा यानी के मजबूत स्तंभ को ढहा दिया है। यूपी विधानसभा चुनाव 2022 में प्रयागराज परिक्षेत्र की हाट सीट सिराथू थी इस सीट पर पिछले चुनाव में भाजपा की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भाजपा के प्रत्याशी थे। माना जा रहा था कि इस बार भी वे कमाल दिखाएंगे। हालांकि केशव मौर्य खुद अपनी सीट नहीं बचा सके। उन्हें समाजवादी पार्टी व अमना दल कमेरावादी गठबंधन की प्रत्याशी पल्लवी पटेल ने मात दी फ्लैश बैक में जाएं तो समाजवादी पार्टी व अपना दल कमेरावादी की प्रत्याशी पल्लवी पटेल कौशांबी जनपद के सिराथू विधान सभा सीट से चुनाव लड़ने वाली थीं, जहां उनका सामना यूपी के उप मुख्यमंत्री व भाजपा उम्मीदवार केशव प्रसाद मौर्य से होना था लेकिन उन्होंने सपा से टिकट बंटवारे पर विवाद की वजह से उन्होंने टिकट वापस कर दिया था। हालांकि बाद में राजनीतिक घटनाक्रम के तहत उन्हें सिराथू से प्रत्याशी बनाया गया। डिप्टी सीएम केशव मौर्य का गढ़ माना जाने वाले सिराथू विधानसभा सीट पर पल्लवी ने झंडा फहराया। उन्होंने केशव प्रसाद मौर्य को पराजित कर दिया।

हालांकि मतगणना के दौरान इस जीत हार को लेकर मतगणना स्थल पर विवाद और तोड़फोड़ भी की गई थी। अंततः उन्हें विजयी घोषित किया। आइए जानें कि राजनीति में तेजी से चर्चा में आने वाली पल्लवी पटेल कौन हैं। अपना दल के संस्थापक सोनेलाल पटेल की विरासत को हासिल करने के लिए परिवार में घमासान जारी है। यही वजह है कि पार्टी में दो फाड़ हो गया है। एक दल अपना दल एस बना जिसकी कमान अनुप्रिया पटेल संभाले हुए हैं। वहीं दूसरे दल अपना दल कमेरावादी में पल्लवी पटेल उपाध्यक्ष व उनकी मां कृष्णा पटेल अध्यक्ष हैं। तीसरी बेटी अमन पटेल है। अपना दल के संस्थापक सोनेलाल पटेल की विरासत को लेकर परिवार में कलह मची थी। दोनों बेटियां अनुप्रिया पटेल और पल्लवी पटेल के बीच लंबी खींचतान चली। एक बार दोनों के बीच सामंजस्य स्थापित करने के लिए भी प्रयास होता दिखा लेकिन किसी नतीजे तक नहीं पहुंचा जा सका। अब अपना दल का एक भाग भाजपा के साथ है तो दूसरा समाजवादी पार्टी के साथ। स्व. सोनेलाल पटेल की पत्नी कृष्णा पटेल भी पल्लवी के खेमे में हैं। पूर्व में दोनों बेटियों ने एक दूसरे पर संपत्ति हड़पने का आरोप लगाया था और इसकी शिकायत भी पुलिस से की गई थी। कृष्णा पटेल ने सुरक्षा की गुहार की थी। डा. सोनेलाल पटेल की छोटी बेटी अमन पटेल ने पूर्व में डीजीपी को पत्र भी लिखा था। कहा था कि 2009 में पिता की मृत्यु के बाद मां कृष्णा पटेल व सभी बहनों की सहमति पर बड़ी बहन पल्लवी ने कानपुर स्थित पिताजी के समस्त कारोबार की बागडोर संभाली थीं। पत्र में आरोप लगाया था कि पिता की संपत्ति बिना किसी को जानकारी दिए 2015 में बड़ी बहन ने अपने नाम करा लिया था। यह भी कहा गया था कि पल्लवी पटेल के पति पंकज निरंजन को पिता के व्यावसायिक ट्रस्ट में सदस्य बना दिया गया। इस संबंध में किसी को कोई जानकारी नहीं दी गई। अनुप्रिया पटेल और पल्लवी पटेल की छोटी बहन अमन पटेल ने पूर्व में जारी अपने पत्र में कहा था कि सक्रिय राजनीति के दौरान पिता सोनलाल पटेल की कर्मभूमि प्रयागराज की फूलपुर लोकसभा सीट थी। पिछले वर्ष अक्टूबर माह में अपना दल (कमेरावादी) की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डा. पल्लवी पटेल प्रयागराज आई थीं। उन्होंने प्रदेश सरकार पर सामाजिक आंदोलनों व नेताओं का दमन करने का आरोप लगाया था। केंद्र सरकार से उन्होंने ऐसी सरकार के खिलाफ जांच और अंकुश लगाने की मांग की थी।

सिराथू में पल्लवी से हारकर भी आखिर धरती पकड़ छेद्दू इतने खुश क्यों, उनकी प्रसन्नता का जानिए राज

प्रयागराज। यूपी विधानसभा चुनाव में तमाम दिलचस्प मामले और किस्से सामने आए हैं। तमाम नेता और उम्मीदवार भी अपनी कुछ खासियत भले ही अजीब या विशेष, चर्चा में रहे हैं। ऐसे ही लोगों में हैं कौशांबी जनपद के छेद्दू। इन्हें धरती पकड़ कहा जाता है। धरती पकड़ के नाम से चर्चित छेद्दू लगातार हारने के लिए ही जाने जाते हैं। वो हारते हैं हर बार और लड़ते भी हैं हर बार। इस बार भी वह सिराथू सीट से विधानसभा चुनाव में हारे हैं लेकिन तब भी बहुत खुश हैं, यहां आप भी जानिए चुनाव में हारने के बाद उनकी इस खुशी का राज। तो धरती पकड़ छेद्दू का यह किस्सा पढिए। कौशांबी जिले के धरती पकड़ कहे जाने वाले छेद्दू विधानसभा चुनाव 2022 के चुनाव से काफी खुश नजर आ रहे हैं। वह अपने तर्कों से कहते हैं कि 18 उम्मीदवार चुनावी मैदान में थे।सबसे तगडे उम्मीदवार डिप्टी सीएम केशव प्रसाद थे, और उन्हें सीधी टक्कर दे रही सपा अपना दल कमेरावादी गठबंधन की पल्लवी पटेल भीं। ऐसे उम्मीदवारों वाले चुनाव में किसी और का चुनावी मुकाबले

में उतरने का कोई मतलब नहीं होता क्योंकि अगर मजबूत जनाधार नहीं हो तो प्रमुख उम्मीदवारों के अलावा बाकी प्रत्याशियों की हार लगभग तय मानी है। ऐसे में हर बार हारने वाले छेद्दू के लिए तो इस सीट पर दूर-दूर तक संभावना नहीं थी लेकिन तब भी उन्होंने परचा भरा और हारकर भी खुश हैं। इस बारे में धरती पकड़ छेद्द से बात करिए तो वह कहते हैं कि प्रदेश भर में सबसे चर्चित रही सिराथू सीट पर हारे जरूर लेकिन 18 प्रत्याशियों के इस चुनावी जंग में वह 12 उम्मीदवारों से हारकर भी जीत गए हैं। यही क्या कम है एक हमेशा हारने वाले धरती पकड़ प्रत्याशी के लिए छेद्दू की सुनिए क्या कहते हैं वह। बोलते हैं कि भले ही मैं केशव, पल्लवी, बसपा प्रत्याशी मुंसब अली, निर्दलीय राजेंद्र कुमार, निर्दलीय प्रदीप कुमार से चुनाव में पिछड़ गया 1198 वोट पाकर 12 उम्मीदवारों से ऊपर रहा। दरअसल, छेद्दू से कम वोट राष्ट्रीय समाज पक्ष के शत्रुजीत पाल को 431 मत मिले हैं। सबसे खराब स्थिति तो इंदिरा-नेहरू की भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की रही। कांग्रेस की सीमा देवी को महज 841 मत मिले। बहुजन मुक्ति पार्टी के धीरज कुमार को 394, लोकदल के राजेंद्र सोनकर को 245, शिवसेना के राजेश कुमार को 317, समर्थ किसान पार्टी के विजय कुमार 692, आम आदमी पार्टी के विष्णु कुमार को 351, आइआइएम के शेर मोहम्मद को 560, राष्ट्रीय उदय पार्टी के संजय कुमार पंडा को 365, सभादल यूनाइटेड के ज्ञानचंद्र को 584, निर्दलीय आदित्य सिंह को 694, वीरेंद्र कुमार साहू को 999 मत मिले। इन सभी से ऊपर छेद्दू रहे, उन्हें 1198 मत मिले हैं।

राजा भैया जीते,कैबिनेट मंत्री मोती सिंह को मिली हार,सपा को मिली दो सीट

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। 30प्र0 विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 निर्वाचन की मतों की गणना आज दिनांक 10 मार्च 2022 को महुली मण्डी मतगणना स्थल पर सम्पन्न हुई।राजा भैया को जहां भारी मतों से जीत मिली वहीं कैबिनेट मंत्री मोती सिंह को हार का सामना करना पड़ा।मतगणना पर्याप्त सुरक्षा घेरे में प्रातः 8 बजे शुरू हुई। पहले पोस्टल मतों की गणना हुई और प्रातः 8.30 बजे से ई0वी0एम0 में पड़े मतों की गणना 7वों विधानसभा क्षेत्रां के लिये अलग-अलग मतगणना पण्डालों में सम्पन्न हुई। सभी मतगणना पण्डालो में यह मतगणना सम्बन्धित विधानसभा क्षेत्र के आर0ओ0 और उस विधानसभा क्षेत्र विशेष के लिये भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षक की देखरेख में सम्पन्न हुई। जारी मतगणना परिणाम के अनुसार 244-रामपुरखास विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी आराधना मिश्रा "मोना" कुल 84334 मत पाकर विजयी रही। इन्होने अपने निकटतम भाजपा प्रत्याशी नागेश प्रताप सिंह उर्फ छोटे सरकार को हराया जिन्हें कुल 69593 मत मिले। इस प्रकार आराधना मिश्रा "मोना" की जीत 14741 मतों से हुई। 245-बाबागंज (अ0जा0) विधानसभा क्षेत्र का चुनाव परिणाम जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के प्रत्याशी विनोद कुमार के पक्ष में रहा जिन्हें कुल 67282 मत मिले और इन्होने समाजवादी पार्टी प्रत्याशी गिरीश चन्द्र को कुल 15767 मतों से पराजित किया। गिरीश चन्द्र को कुल 51515 मत मिले। 246-कुण्डा विधानसभा क्षेत्र का चुनाव परिणाम जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के प्रत्याशी रघुराज प्रताप सिंह के पक्ष में गया जिन्हें कुल 99612 मत मिले और इन्होने

अपने निकटतम समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी गुलशन यादव को 30315 मतों से हराया। गुलशन यादव को 69297 मत मिले। 247-विश्वनाथगंज विधानसभा क्षेत्र का चुनाव परिणाम अपला दल (सोनेलाल) प्रत्याशी जीत लाल के पक्ष में रहा जिन्हें कुल 86829 मत मिले और इनके निकटतम समाजवादी पार्टी प्रत्याशी सौरभ सिंह को 38777 मत मिले। इस प्रकार जीत लाल की जीत 48052 मतों से हुई।248-प्रतापगढ़ सदर विधानसभा क्षेत्र की मतगणना में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी राजेन्द्र कुमार मौर्य विजयी रहे जिन्हें कुल 89762 मत मिले और इनके निकटतम अपना दल कमेरावादी प्रत्याशी कृष्णा पटेल को 64699 मत मिले। इस प्रकार राजेन्द्र कुमार मौर्य 25063 मतों से विजयी रहे। 249-पट्टी विधानसभा क्षेत्र का परिणाम समाजवादी पार्टी प्रत्याशी राम सिंह के पक्ष में रहा जिन्हें कुल 108070 मत मिले और इनके निकटतम प्रतिद्वन्दी भाजपा के राजेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह को कुल 86019 मत मिले। इस प्रकार राम सिंह 22051 मतों से विजयी रहे। 250-रानीगंज विधानसभा क्षेत्र की मतगणना में समाजवादी पार्टी के राकेश कुमार वर्मा उर्फ डा0 आर0के0 वर्मा विजयी रहे जिन्हें कुल 75583 मत मिले और इनके निकटतम प्रतिद्वन्दी भाजपा के अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा को 72934 मत मिले। इस प्रकार डा0 आर0के0 वर्मा 2649 मतों से विजयी रहे। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी डा0 नितिन बंसल ने राज्य कृषि उत्पादन मण्डी समिति महुली परिसर में स्थापित मतगणना पण्डालों में पूरी मतगणना प्रक्रिया को शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न होने पर मतगणना कार्य में लगे सभी मतगणना कार्मिकों, पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों, 7वों विधानसभा क्षेत्रों के रिटर्निंग आफिसर, सहायक रिटर्निंग अधिकारी, मीडिया बन्धुओं और मतगणना से जुड़े सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को शान्तिपूर्ण ढंग से मतगणना सम्पन्न कराने के लिये बधाई दी है। पूरे मतगणना प्रक्रिया के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी डा0 नितिन बंसल, पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल, मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) मुकेश चन्द्र, मुख्य राजस्व अधिकारी इन्द्र भूषण वर्मा अपनी पूरी प्रशासनिक व पुलिस टीम के साथ मतगणना स्थल पर उपस्थित रहकर पूरे मतगणना प्रक्रिया का जायजा लिया और मतगणना परिसर में शान्ति एवं सुरक्षा बनाये रखने का अधिकारियों को निर्देश देते रहे। मतगणना स्थल महुली पर सभी मतगणना कर्मी प्रातः 5 बजे से ही पहुॅचना शुरू किये थे और 6 बजते बजते अपने अपने दायित्वों को पूरी तरह सम्भाल लिये। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नामित रामपुरखास के सामान्य प्रेक्षक के0 राजेश, बाबागंज के सामान्य प्रेक्षक श्रीकान्त शास्त्री, कुण्डा के सामान्य प्रेक्षक एलेक्स वी0एफ0 पॉल मेन, विश्वनाथगंज के सामान्य प्रेक्षक एस0 सरवनन, प्रतापगढ़ के सामान्य प्रेक्षक रमन एस0ए0, पट्टी के सामान्य प्रेक्षक रूगवेद मिलिन्द ठाकुर, विधानसभा रानीगंज के सामान्य प्रेक्षक दीपेन्द्र सिंह कुशवाह ने अपने अपने विधानसभा क्षेत्रों के काउण्टरों पर उपस्थित रहकर मतगणना का कार्य सकुशल सम्पन्न कराया। मतगणना स्थल पर चिकित्सकों की टीम, फायर बिग्रेड तैनात किये गये थे तथा मीडिया सेन्टर बनाया गया था जहां पर राउण्ड वाइज मतगणना के परिणाम मीडिया बन्धुओं को उपलब्ध कराया गया। ध्वनि विस्तारक यंत्र के माध्यम से राउण्ड वाइज गणना के परिणाम घोषित किये जाते रहे। जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार के साथ मीडिया बन्धुओं को आयोग के निर्देशानुसार परिभ्रमण भी कराया गया।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित
ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.naniiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 15 मार्च 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710,
9807278552, 9415608790

गोरखपुर की नौ सीटों में किसी पर सीधी टक्कर नहीं दे पाई बसपा

गोरखपुर। विधानसभा चुनाव 2022 बसपा के लिए काफी खराब रहा है। पार्टी इस बार अपने मूल वोट बैंक में सेंध रोक नहीं पाई है। 2017 के विधानसभा चुनाव की तुलना में गोरखपुर जिले में पार्टी का प्रदर्शन इस बार काफी खराब रहा है। पिछली बार पार्टी को एक सीट पर जीत मिली थी तो तीन सीटों पर सीधी लड़ाई में थी। इस चुनाव में पार्टी नौ में से किसी सीट पर सीधी लड़ाई में नहीं थी। विधानसभा चुनाव 2017 में पार्टी ने चिल्लूपार विधानसभा में जीत हासिल की थी। यहां से पार्टी प्रत्याशी के रूप में विनय शंकर तिवारी ने भाजपा प्रत्याशी राजेश त्रिपाठी को हराया था। विनय को 78 हजार 177 वोट मिले थे। इस सीट पर 2007 एवं 2012 में भी बसपा ही जीती थी। इस चुनाव में विनय शंकर सपा के प्रत्याशी बने तो बसपा ने राजेंद्र पहलवान पर भरोसा जताया लेकिन पहलवान 45 हजार 729 वोट ही प्राप्त कर सके। खजनी विधानसभा में सीधी लड़ाई में रहते हुए 2017 के प्रत्याशी राजकुमार ने 51 हजार 413 वोट पाए थे। पार्टी ने यहां भी प्रत्याशी बदल दिया था। विद्यासागर उर्फ छोटे भाई ने दांव आजमाया लेकिन वह इस बार सीधी

लड़ाई में भी नहीं टिक पाए। विद्यासागर को 46 हजार 427 वोट मिले यानी पिछले चुनाव से करीब पांच हजार वोट कम। पार्टी ने पिपराइच विधानसभा क्षेत्र में भी पिछले चुनाव में सीधी लड़ाई लड़ी थी। आफताब आलम उर्फ गुड्डू भैया से प्रत्याशी थे इसलिए पिपराइच में पार्टी ने दीपक कुमार अग्रवाल पर भरोसा जताया। दीपक 30 हजार 954 वोटों पर ही सिमट गए यानी पिछले चुनाव की तुलना में आधे से भी कम वोट मिले। बांसगांव सुरक्षित विधानसभा में भी 2017 ने यहां 69 हजार 930 वोट पाए थे। आफताब इस बार संतकबीरनगर की खलीलाबाद सीट के चुनाव में बसपा उम्मीदवार धर्मेंद्र कुमार को दूसरा स्थान मिला था। पार्टी प्रत्याशी ने यहां 49 हजार 93 वोट पाए थे। इस बार यहां से भी पार्टी सीधी लड़ाई से बाहर हो गई। बांसगांव से इस बार प्रत्याशी बनाए गए रामनयन आजाद 37 हजार 204 वोट ही पा सके। पिछले चुनाव में गोरखपुर शहर विधानसभा क्षेत्र से बसपा प्रत्याशी के तौर पर जनार्दन चौधरी ने 24 हजार 297 वोट पाए थे लेकिन इस बार प्रदर्शन काफी खराब रहा और ख्वाजा शमसुद्दीन मात्र आठ हजार 368 वोट ही पा सके। गोरखपुर ग्रामीण से 2017 में चुनाव लड़ने वाले राजेश पांडेय ने 30 हजार 07 वोट हासिल किया था लेकिन इस बार दारा सिंह निषाद आधा यानी 15 हजार 982 वोट ही प्राप्त कर सके। कैंपियरगंज विधानसभा की स्थिति और भी खराब रही। पिछले चुनाव में यहां से भाग्य आजमाने वाले आनंद निषाद ने जहां 39 हजार 243 वोट पाए थे वहीं इस बार चंद्र प्रकाश निषाद को तिहाई यानी 13 हजार 153 वोट ही मिल सके।

इंटरनेट मीडिया पर भगवा ट्रेंडिंग, भाजपा की प्रचंड जीत के बाद सबसे ज्यादा बाबा बुलडोजर के मीम

लखनऊ। होली से हफ्ता भर पहले आए चुनाव परिणामों के लेकर इंटरनेट मीडिया पर मौज-मस्ती का माहौल बना हुआ है। लोग तरह के संदेशों और मीम्स से अपनी भावनाएं व्यक्त कर रहे हैं। इसमें चुनावी बहस के दौरान नेताओं के बयानों को व्यंग्य की कसौटी पर कसने के साथ ही तरह-तरह से चुटकी ली जा रही है। पार्टियों के चुनाव निशानों को भी नहीं बख्शा जा रहा। उत्तर प्रदेश की सत्ता में वापस लौटने की पुरजोर कोशिशों में लगी सपा की साइकिल को इसका सबसे ज्यादा शिकार होना पड़ा, क्योंकि उसके नेता अखिलेश यादव सरकार बनाने के लिए बड़े-बड़े. दावे करने में जुटे थे। ऐसी ही इंटरनेट मीडिया पर एक बुलडोजर की तस्वीर वायरल हो रही है, जिस पर साइकिल को लटकाया गया है। चुनावों के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 'बाबा बुलडोजर' की चुटीली उपाधि के बीच बुलडोजर को लेकर भी तमाम प्रयोग देखने को मिल रहे हैं। इस सिलसिले में कानपुर की एक मेयर का वीडियो वायरल

है, जिसमें वह बुलडोजर पर बैठकर विजय यात्रा निकाल रही हैं। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव द्वारा एक्जिट पोल्स के बाद ही ईवीएम पर निशाना साधने का मखौल उड़ाते हुए उन्हें और ईवीएम को जोड़कर भी मीम्स के माध्यम से तमाम कटाक्ष किए जा रहे हैं। जैसे एक यूजर ने पार्टी के सदस्य के साथ संवाद में अखिलेश यादव को यह कहते हुए दिखाया कि अगर कोई बहाना नहीं मिला तो ईवीएम पर ही ठीकरा फोड़ दूंगा। चुनाव के दौरान अखिलेश यादव ने योगी आदित्यनाथ को लेकर कहा था कि नतीजे आने के बाद बाबा की मठ में वापसी की बात पर चुटकी लेते हुए एक यूजर ने लिखा कि नहीं जाएंगे मठ, पांच साल और बजाएंगे लट्ठ। अमूमन इक्कीस तोपों की सलामी दी जाती है, मगर शानदार प्रदर्शन पर सीएम योगी को एक मीम में बुलडोजर सलामी दी गई। मुगले आजम फिल्म का एक यादगार दृश्य है, जिसमें अनारकली लेटी होती है और सलीम उनके पास पंख लिए बैठा है। इस टेंपलेट का इस्तेमाल करते हुए एक यूजर ने मीम बनाया कि उठो डिंपल, योगी जी के शपथ ग्रहण समारोह में भी जाना है। ऐसे तमाम मीम्स, हैशटैग और मैसेजेस की इंटरनेट मीडिया पर भरमार है।

हरहुआ पीएचसी वर्चुअल एसेसमेंट में नियमित रूप से कर्मचारिय कार्य करें

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

हरहुआ (वाराणसी)। विकाश खण्ड के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरहुआ पर कायाकल्प टीम का प्रभु नाथ (डीपीएम गाजीपुर),डॉ

रोहित कुमार सिंह (डीसीकियूए भदोही), डॉ0 सोलंकी के द्वारा वर्चुअल एसेसमेंट ने किया । पीएचसी प्रभारी डॉ0 आर0के0 सिंह द्वारा टीम को समस्त कमरों का निरीक्षण करवाया गया। टीम ने प्रसव कक्ष, औषधि भंडार कक्ष, लैब, ओपीडी कक्ष, आपरेशन कक्ष,ग्रीन एरिया हर्बल गार्डन और प्रांगण में लगे हुए सभी कार्यक्रम के बैनर का अवलोकन कर सन्तोष जताया। कर्मचारी व सहकर्मी चिकित्सा अधिकारी द्वारा मिलकर कार्यों को संपूर्ण किया गया। विशेष तौर से सफाई कर्मी अमित और प्रमिला के द्वारा सफाई का कार्य किया जाता है ताकि प्रांगण को इंफेक्शन फ्री बनाया जा सके। साथ में डॉ0 एसी मौर्य, डॉ0 मनु चतुर्वेदी,फार्मासिस्ट राधेश्याम अंजना बीबीएम इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

बलिया मे बसपा को मिले रसड़ा के इकलौते विधायव उमा शंकर सिंह

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया। यूपी विधानसभा चुनाव 2022 में बहुजन समाज पार्टी को बलिया के रसड़ा में एक सीट मिली है। इस लिहाज से वह प्रदेश में बसपा के इकलौते विधायक हैं। सूबे में तीन विधानसभा चुनावों से बसपा का प्रदर्शन लगातार कमतक

होता गया है उत्तर-प्रदेश चुनाव परिणाम में जहां एक ओर भाजपा ने प्रचंड बहुमत हासिल कर दोबारा सत्ता में वापसी की है वहीं समाजवादी पार्टी ने भी इस चुनाव में अपना पिछला प्रदर्शन सुधारा है। कांग्रेस जहां अब प्रदेश में दो विधायकों के साथ तीसरी बड़ी पार्टी बन गई है वहीं बसपा प्रदेश की चौथी पार्टी मात्र एक विधानसभा सीट को जीतकर विधायकों के लिहाज से बनी है। बसपा हो यह सीट पूर्वांचल के बलिया जिले में रसड़ा विधानसभा में हासिल हुई है। बलिया जिले की रसड़ा सीट पर बसपा से उमाशंकर सिंह को कुल 87089 मत हासिल हुए हैं। उमाशंकर सिंह 2022 में तीसरी बार विधायक निर्वाचित हुए है। इस लिहाज से अब यूपी में बसपा का एकमात्र विधायक बलिया जिले के रसड़ा से है। अब वह बसपा की ओर से विधानसभा में अकेले ही मोर्चा संभालेंगे रसड़ा विधानसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित 51 वर्षीय बसपा विधायक उमाशंकर सिंह मूल रूप से नगरा ब्लाक के खनवर नवादा के मूल निवासी हैं। इनकी शिक्षा ग्रेजुएशन तक हुई है। उमाशंकर सिंह की यह तीसरी जीत है। घुरहू सिंह के बड़े पुत्र उमाशंकर सिंह का राजनीतिक सफरनामा छात्र संघ से शुरू हुआ और वे सतीश चंद्र महाविद्यालय बलिया से छात्रसंघ के महामंत्री बने। तत्पश्चात 2002 2003 में जिला पंचायत सदस्य बने प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2012 में पहली बार सक्रिय राजनीति में आये और बसपा की टिकट से चुनाव लड़े और लगभग 84 हजार से अधिक मत प्राप्त कर सपा प्रत्याशी सनातन पांडेय को ऐतिहासिक 52825 मतों से शिकस्त देकर विधायक निर्वाचित हुए। उसके बाद 2017 के चुनाव में उमाशंकर सिंह ने लगभग 92272 मत प्राप्त कर भाजपा प्रत्याशी रामइकबाल सिंह को 33885 मतों से हराकर दूसरी बार विधायक बने। बसपा ने अंतिम समय में इन्हें विधानमंडल दल के नेता भी बनाया। उनका कहना है कि विषम परिस्थितयों में रसड़ा की महान जनता ने उन पर जो भरोसा जताया है उनका विश्वास हमेशा कायम रखूंगा।

बलिया के सभी विधानसभा चुनाव की मतगणना अंतिम दौर में जीत हार का समीकरण हुआ साफ

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

बलिया। विधानसभा चुनाव की मतगणना अंतिम दौर में है और जीत हार का समीकरण साफ दिखने लगा है। बलिया में भाजपा गठबंधन को 2 सीट पर जहां जीत मिल रही है तो वही अपनी 2 सीट पर हार का भी सामना करना पड़ रहा है । वही समाजवादी पार्टी के गठबंधन को 3 सीट की जहां बढ़त के साथ 4 सीट पर जीत मिल रही है, तो नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी को हार का सामना भी करना पड़ रहा है। रसड़ा ने उमाशंकर सिंह का जलवा बरकरार है। अभी किसी भी सीट पर जीत की घोषणा नही हुई है। लेकिन जो खबर है। उसके अनुसार बलिया नगर से भाजपा के दयाशंकर सिंह, बांसडीह से भाजपा गठबंधन की केतकी सिंह,सिकन्दरपुर से सपा के जियाउद्दीन रिजवी,बेल्थरारोड से सपा गठबंधन के हंशु राम ,फेफना से सपा के संग्राम सिंह यादव,बैरिया से जयप्रकाश अंचल और रसड़ा से बसपा के उमाशंकर सिंह की जीत पक्की है। राउंड वाइज मतगणना निम्न है बैरिया के 21 वे राउंड में आनंद को 42689, अंचल को 50226 मत मिले है ।बैरिया में 23 वे राउंड में आनंद 48528 और अंचल को 55415 मत मिला है । 25 वे राउंड में आनंद को 52584 और अंचल को 60557 मत मिला है । 28 वे राउंड में आनंद को 55302 और अंचल को 67162 मत मिला है । 29 वे राउंड में आनंद को 57788 ,जयप्रकाश अंचल को 70749 और सुरेंद्र सिंह को 28600 मत प्राप्त हुआ है रसड़ा के 19 वे राउंड के बाद उमाशंकर को 55645 और सपा गठबंधन के महेंद्र को 50451 मत मिले है ।रसड़ा के 20 वे राउंड में उमाशंकर को 58430,और महेंद्र को 53127 मत प्राप्त हुआ है ।रसड़ा 21 वे राउंड में उमाशंकर को 61611 और महेन्द्र को 56114 मत मिले है ।रसड़ा में 22 वे राउंड में उमाशंकर को 64980 ,और महेंद्र 58526 मत मिला है ।बलिया नगर के 22 वे राउंड में दयाशंकर को 80587,नारद राय को 59474 मत मिले है ।बलिया नगर में 26 वे राउंड में दयाशंकर को 92920 और नारद राय को 69457 मत मिला है । 27 वे राउंड में दयाशंकर को 95850 और नारद राय को 71745 मत मिला है ।बांसडीह के 17 वे राउंड में केतकी को 53414, रामगोविंद को 45324 मत मिले है ।बांसडीह 18 वे राउंड में केतकी को 60166, रामगोविंद को 49758 मत मिले है । बांसडीह में 20 वे राउंड में केतकी सिंह को 63283 और रामगोविंद को 51795 मत मिला है । 21 वे राउंड में केतकी को 66397 और रामगोविंद को 54250 मत मिला है । 22 वे राउंड में केतकी सिंह को 69708 और रामगोविंद को 57279 मत मिला है । 23 वे राउंड ने केतकी को 72346 और रामगोविंद को 59944 मत मिला है । 26 वे में केतकी को 81939 और रामगोविंद को 67749 मत मिला है । 27 वे राउंड में केतकी को 85032 और रामगोविंद को 69822 मत मिला है । 30 वे राउंड में केतकी 95118 और रामगोविंद 77097 मत प्राप्त किये है सिकन्दरपुर में 15 वे राउंड के बाद सपा के रिजवी को 43833 और भाजपा के संजय को 38541 मत मिले है ।सिकन्दरपुर के 18 वे राउंड में रिजवी को 52977, संजय यादव को 46237 मत प्राप्त हुआ है ।सिकन्दरपुर 19 वे राउंड में रिजवी को 56708,और संजय यादव 49015 मत मिले है । 21 वे राउंड में रिजवी को 62823 और संजय यादव को 52675 मत मिला है ।फेफना 21 वे राउंड में संग्राम सिंह को 69837 और उपेन्द्र तिवारी को 57976 मत प्राप्त हुआ है ।फेफना के 24 वे राउंड में संग्राम को 81018 और उपेन्द्र को 74708 मत मिला है । 25 वे राउंड में उपेन्द्र को 67386 और संग्राम को 84 775 मत मिला है। बेल्थरारोड के 24 वे राउंड में छटू राम को 56707 और हंशु राम सपा गठबंधन को 62915 मत मिले है ।बेल्थरारोड 26 वे राउंड में छटू राम को 61477, और हंशुराम को 67962 मत मिला है । 29 वे राउंड में छटू राम को 70492 और हंशु राम को 75538 मत मिला है । बलिया नगर विधानसभा की 30 वे राउंड की गिनती के बाद दयाशंकर सिंह को 102276 और नारद राय को 76100 मत प्राप्त हुआ है और दयाशंकर सिंह 26176 मतों से जीत गये है ।

पूर्वांचल की 61 सीटों में 'कमल पर साइकिल भारी', हार के बाद भी समाजवादी पार्टी के लिए पूर्वांचल में दिखी 'संभावना'

वाराणसी। यूपी चुनाव में भाजपा को भले ही भारी बहुमत हासिल हुआ हो लेकिन पूर्वांचल का गढ़ सपा के खाते में ही आया है। दरअसल पूर्वांचल में भाजपा, निषाद पार्टी और अपना दल (अनुप्रिया) के गठबंधन ने जहां 29 सीटें हासिल की हैं वहीं समाजवादी पार्टी, सुभासपा और अपनादल कमेरावादी गठबंधन ने 31 सीटें हासिल की है। वहीं प्रदेश भर में इकलौती बसपा की सीट बलिया के रसड़ा से पार्टी को मिली है। इस लिहाज से पूर्वांचल में सपा गठबंधन भाजपा गठबंधन पर भारी रहा है। प्रदेश का चुनाव परिणाम जो भी रहा हो लेकिन पूर्वांचल की 61 सीटों पर सपा गठबंधन (अखिलेश यादव) उम्मीदवारों ने कई जगहों पर काफी करीबी मतों से मात भी खाई है। पूर्वांचल का चुनाव परिणाम इस लिहाज से सपा के लिए संजीवनी की भांति है। आजमगढ़ की दसों सीट पर सपा ने दोबारा जीत हासिल कर अखिलेश के संसदीय सीट आजमगढ़ में दबदबा साबित भी किया है। वहीं जहूराबाद से सहयोगी दल सुभासपा के अध्यक्ष ओमप्रकाश ने भी विरोधी दांवपेंच को मात देकर जीत हासिल कर अपनी पकड़ साबित की है। जबकि भाजपा की ओर से दिग्गज नेताओं के चुनाव प्रचार के बीच भी बहुत से उम्मीदवार पार्टी के हित में सीटें निकाल पाने में सफलता हासिल नहीं कर सके। जबकि आजमगढ़ और गाजीपुर में सपा-सुभासपा फैक्?टर ने सभी सीटों पर साइकिल और छड़ी को मजबूती दी है। वाराणसी में आठ भाजपा, मीरजापुर में पांच भाजपा, सोनभद्र में चार सीटों पर भाजपा गठबंधन। आजमगढ़ में दस और गाजीपुर में सात पर सपा गठबंधन। बलिया में भाजपा दो, बसपा एक, सपा ने चार सीटों पर जीत हासिल की है। जौनपुर में पांच सपा और चार भाजपा गठबंधन के पक्ष में सीटें गई हैं। भदोही में दो भाजपा और एक सपा को सीट मिली है। मऊ में तीन सपा और एक भाजपा को सीट मिली है। चंदौली में भाजपा को तीन और सपा को एक सीट मिली है। 1- वाराणसी में देर शाम जारी परिणामें में पिंडरा से डा. अवधेश सिंह, शिवपुर से अनिल राजभर (मंत्री), सेवापुरी से नील रतन सिंह पटेल, अजगरा से टी राम, रोहनियां से सुनील पटेल (अद-एस), वाराणसी उत्तरी से रवींद्र जायसवाल (मंत्री), वाराणसी दक्षिण से डा. नीलकंठ तिवारी (मंत्री), वाराणसी कैंट से सौरभ श्रीवास्तव ने जीत हासिल की है। 2- बलिया में बलिया नगर से दयाशंकर सिंह भाजपा से 102965

मत, बिल्थरारोड से हंसू राम सुभासपा से 78995 मत, फेफना से संग्राम सिंह यादव सपा से 91563 मत, रसड़ा में उमाशंकर सिंह बसपा से 87089 मत, सिकंदरपुर से जियाउद्दीन रिजवी सपा से 75222, बांसडीह में केतकी सिंह निषाद पार्टी से 102164 मत बैरिया में जयप्रकाश अंचल ने सपा से 70749 मत प्राप्त किया है। 3- गाजीपुर की जहूराबाद-377 पर सुभासपा के ओमप्रकाश राजभर, जखनियां - 373 में सुभासपा-सपा के बेदी राम, मुहम्मदाबाद-378 में सपा के सुहेब अंसारी, जंगीपुर-376 में सपा के वीरेंद्र यादव, सैदपुर 374 में सपा के अंकित भारती, जमानियां -379 में सपा के ओमप्रकाश सिंह, गाजीपुर सदर -375 में सपा के जयकिशन साहू को जीत मिली है। इस प्रकार गाजीपुर में सपा के पास सभी सीटें गईं।4- आजमगढ़ में 'गढ़' की सभी 10 विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज कर सपा ने जीत का रिकार्ड बनाया है। अतरौलिया विधानसभा सीट पर सपा के डा. संग्राम यादव, गोपालपुर में सपा के नफीस अहमद, सगड़ी में सपा के एचएन पटेल, मुबारकपुर में सपा के अखिलेश यादव, आजमगढ़ सदर सीट पर सपा के दुर्गा प्रसाद यादव, निजामाबाद विधानसभा सीट पर सपा के आलमबदी, फूलपुर-पवई में रमाकांत यादव, दीदारगंज में सपा के कमलाकांत राजभर, लालगंज (सुरक्षित) में सपा के बेचई सरोज, मेंहनगर (सुरक्षित) सीट पर सपा की पूजा सरोज ने जीत हासिल की है। 5- जौनपुर में जफराबाद 371 पर सुभासपा के जगदीश नारायण राय, मल्हनी 367 में सपा के लकी यादव, मुंगराबादशाहपुर 368 में सपा के पंकज पटेल, मछलीशहर, 369 में सपा की डाक्टर राग्निी सोनकर, बदलापुर, 364 में भाजपा के रमेश चंद्र मिश्रा, जौनपुर 373 में भाजपा के गिरीश चंद्र यादव, मड़ियाहूं 370 में डाक्टर आरके पटेल (भाजपा सहयोगी दल), केराकत 372 में सपा के तूफानी सरोज, शाहगंज 365 में निषाद पार्टी के रमेश सिंह ने जीत हासिल की हैं।

भाजपा की जीत के बाद काशी में मेट्रो की जगी आस, आजमगढ़ को मिलेगा एटीएस कमांडो सेंटर

वाराणसी। यूपी में भाजपा के पक्ष में स्पष्ट जनादेश का अर्थ भी स्पष्ट है कि जनता ने भाजपा पर भरोसा दोबारा जताया है। डबल इंजन की सरकार ने परियोजनाओं को पूरा ही नहीं किया बल्कि समय से जनता को लोकार्पित भी कर दिया। इसका परिणाम रहा कि सरकार की परियोजनाओं से जनता ने खुश होकर दोबारा भाजपा को मौका दिया है। वहीं चुनाव के पूर्व भाजपा की ओर से जारी चुनावी घोषणाओं के भी अब पूरा होने की उम्मीद आम जनता को है। जहां एक ओर सरकार ने होली पर गैस सिलेंडर बांटने की घोषणा की थी वहीं कई अन्य जन सुविधाएं आम जनता को देने का वायदा किया था। अब होली एक ओर करीब है तो दूसरी ओर अन्य घोषणाओं पर भी जनता की निगाह है। भाजपा की ओर से चुनाव के ठीक पूर्व चुनाव घोषणा पत्र के तौर पर संकल्प पत्र पेश कर यूपी के मतदाताओं के सामने भाजपा सरकार बनने पर मिलने वाले लाभों की घोषणा की गई थी। इसमें पूर्वांचल के लिहाज से एक्सप्रेस वे ही नहीं बल्कि बलिया लिंक एक्सप्रेस वे का निर्माण भी शामिल है। यह पूर्वांचल एक्सप्रेस वे से लिंक होने के साथ ही देश की राजधानी और वाराणसी के साथ ही पूर्वांचल को प्रदेश की राजधानी

और अन्य कारोबारी महत्व के लिहाज से जरूरी शहरों को भी जोड़ेगा। वहीं इसकी कनेक्टिविटी की चर्चा बिहार तक होने की भी रही है। गंगा एक्सप्रेस वे भी वाराणसी तक कनेक्ट करने की घोषणा पूर्व में हो चुकी है। प्रदेश के विकास के लिए भाजपा की ओर से संकल्प पत्र में काशी में मेट्रो परियोजना को भी साकार करने की बात कही गई थी। अब वाराणसी में भाजपा के पक्ष में स्पष्ट जनादेश और आठों सीटों पर भाजपा की जीत के साथ ही पूर्वांचल में वाराणसी शहर को मेट्रो रेल से आच्छादित करने की संभावनाओं ने भी जोर पकड़ा है। अगले पांच सालों में वाराणसी में मेट्रो बनने की उम्मीदों को भाजपा की घोषणा से बल मिला है। इस लिहाज से शहर में बेहतर कनेक्टिविटी मिलना तय माना जा रहा है। जबकि पूर्व में रोप वे को लेकर भी परियोजना की चर्चा रही लेकिन चुनाव के शोर में रोप वे बनने की चर्चा भी कम होती गई। हालांकि, पूर्व में वाराणसी में मेट्रो होने से लागत अधिक और मुनाफा कम होने का डीपीआर बनने के बाद से मेट्रो परियोजना ठंडे बस्ते में चल रही थी। आजमगढ़ जिले में आतंकवाद की गहरी जड़ों पर चोट करने के लिए जिले में एटीएस कमांडो सेंटर खोलने की चर्चा भी घोषणा पत्र में शामिल थी। इस लिहाज से पूर्वांचल को बड़ा सुरक्षा का केंद्र बिंदु बनाने का सरकार का प्रयास भी अब सामने आने की उम्मीद है। आजमगढ़ जिले में एटीएस केंद्र के बनने से जिले में मौजूद आतंकवाद की जड़ों पर भी चोट करने का मौका मिलेगा। इसके अलावा भी सोलह पन्नों के संकल्प पत्र की रिपोर्ट में पूर्वांचल के लिहाज से प्रमुख योजनाओं को धरातल देने के लिए पहल की बात कही गई थी। अब अगले पांच साल तक पूर्वांचल में विकास की योजनाओं की जनता को अधिक अपेक्षा होगी। पूर्वांचल में पीएम नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के होने की वजह से भी पूर्वांचल का पर्याप्त विकास ही नहीं बल्कि मेगा परियोजनाएं समय समय पर आकार पाती रही हैं। काशी विश्वनाथ धाम कारीडोर के साथ ही विंध्य कारीडोर की परियोजना भी शुरू हो चुकी है। इससे पर्यटन को जहां धार मिलेगा वहीं खिड़किया घाट को पर्यटकों के लिहाज से तैयार किया जा रहा है। यहां एंफीबियस प्लेन को उतारने के साथ ही जेट्टी से गंगा की सैर के लिए भी परियोजना लगातार आकार पा रही है। वहीं रोप वे की परियोजना जमीन पर उतरी तो वाराणसी में पर्यटन को और भी बूम मिलेगा। वहीं विंध्याचल में रोप वे का संचालन शुरू भी हो चुका है।

आधी आबादी ने महिला प्रत्याशियों को नकारा

सोनभद्र। जिले की चार सीटों पर चुनाव लड़ रही 6 महिला प्रत्याशियों को आखिरकार आधी आबादी ने नकार दिया। 649987 महिला मतदाताओं में से 395205 महिलाओं ने इस बार मतदान किया लेकिन 6 महिला प्रत्याशियों को कुल मिलाकर महज 19298 वोट ही प्राप्त हुआ। इस तरह महिला प्रत्याशियों की आधी आबादी से बंधी उम्मीदें टूट गईं। महिला प्रत्याशियों में सर्वाधिक कांग्रेस की घोरावल सीट से प्रत्याशी विदेश्वरी सिंह ने 10371 वोट हासिल किया। बाकी 5 महिला प्रत्याशियों की स्थिति काफी कमजोर रही। घोरावल सीट से जनता दल यूनाइटेड से अनीता को 558 वोट मिले जबकि जन अधिकार पार्टी से प्रत्याशी रानी सिंह को 1973 मत हासिल हुआ। इसी तरह राबर्ट्सगंज सीट पर चुनाव लड़ रहीं एकमात्र महिला प्रत्याशी जन अधिकार पार्टी की किरन देवी को 1047 मत मिले। ओबरा अनुसूचित जनजाति सीट पर एक भी महिला चुनाव मैदान में नहीं थी। दुद्धी अनुसूचित जनजाति सीट से कांग्रेस ने बसंती पनिका को प्रत्याशी बनाया था जिनका चुनाव परिणाम भी काफी निराशाजनक रहा। बसंती को 4519 वोट मिले, जबकि इसी सीट से आम आदमी पार्टी की प्रत्याशी पुष्पा देवी को 830 मत हासिल हुआ। इस तरह इस वर्ष के चुनाव में महिला प्रत्याशियों को काफी कम मत मिले। इस बार आधी आबादी ने 60.50 फीसदी मतदान किया था लेकिन महिला प्रत्याशियों को ज्यादातर महिलाओं ने नकार दिया। इससे इन प्रत्याशियों की उम्मीदों को काफी झटका लगा है।

सोनभद्र की सभी चार सीटों पर भाजपा ने निर्णायक बढ़त हासिल कर ली

सोनभद्र। विधानसभा चुनाव में भाजपा को जिले में ऐतिहासिक जीत मिली है। यहां की सभी चार सीटें भाजपा की झोली में आई हैं। घोरावल सीट से अनिल मौर्या ने 101120 मत प्राप्त कर जीत हासिल की। यहां सपा के रमेश दूबे को 46814 मत पाकर दूसरा स्थान मिला। राबर्ट्सगंज सीट से

भाजपा के भूपेश चौबे को 84354 मत, जबकि दूसरे नंबर पर रहे सपा के अविनाश कुशवाहा को 78449 मत मिले। ओबरा सीट पर भाजपा प्रत्याशी समाज कल्याण राज्यमंत्री संजीव सिंह गोड़ ने जीत हासिल की। उन्हें 78243 मत मिले जबकि उनके निकटतम प्रत्याशी अरविंद ऊर्फ सुनील गोड़ को 51526 मत हासिल हुए। इसी तरह दुद्धी में पहली बार भाजपा को जीत हासिल हुई। यहां भाजपा के प्रत्याशी राम दुलार गोड़ को 84295 मत प्राप्त हुए जबकि दूसरे नंबर पर सपा के प्रत्याशी पूर्व मंत्री विजय सिंह गोड़ को 77572 मत हासिल हुए ओबरा से भाजपा के संजीव गोंड़ जीते : अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित ओबरा विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी संजीव गोंड़ 26717 मतों से चुनाव जीत गए हैं। उन्हें 78243 मत मिले जबकि उनके प्रतिद्वंदी सपा प्रत्याशी अरविंद सुनील गोंड़ को 51526 मत प्राप्त हुए। घोरावल से भाजपा के अनिल मौर्य जीते घोरावल विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी अनिल मौर्य निर्वाचित घोषित किए गए। अनिल मौर्य को 101120 वोट मिले,जबकि इनके प्रतिद्वंदी सपा के रमेश चंद दुबे को 76775 मत मिले। इस तरह अनिल मौर्य 24345 मतों से जीते। जिले की चार विधानसभाओं के लिए मतदाताओं ने सात मार्च को अपना मतदान किया था। सुबह मतगणना का रुझान शुरू होने के साथ ही यूपी में सरकार बनाने की गुणा गणित जारी है। इस बार जिले में 59.5 फीसद मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। उम्मीद है कि रात आठ बजे तक घोरावल, राबर्ट्सगंज, ओबरा, दुद्धी का चुनाव परिणाम घोषित कर दिया जाएगा। जिले में समाज कल्याण राज्यमंत्री संजीव गोंड़ की सीट ओबरा का परिणाम चर्चा में है। पिछली बार यहां से घोरावल,राबर्ट्सगंज और ओबरा सीटों पर भाजपा और दुद्धी से अपना दल एस के उम्मीदवारों ने जीत हासिल की थी। सुबह आठ बजे से परिणाम के रुझान आ रहे हैं। सोनभद्र की सभी चार सीटों पर भाजपा ने निर्णायक बढ़त हासिल कर ली है। 2017 में भी यहां की चार सीटों में से तीन पर भाजपा व एक पर सहयोगी अपनादल (एस) ने जीत दर्ज की थी। घोरावल विधानसभा सीट पर भाजपा के अनिल मौर्य सपा के रमेश चंद्र दुबे से बढ़त पर हैं। वहीं राबर्ट्सगंज से भाजपा के भूपेश चौबे जीत के करीब हैं तो सपा के अविनाश कुशवाहा दूसरे स्थान पर। ओबरा से भाजपा के प्रत्याशी समाज कल्याण राज्यमंत्री संजीव गोंड़ जीत की स्थिति में हैं। यहां से सपा के अरविंद कुमार दूसरे स्थान पर हैं। दुद्धी से भाजपा के रामदुलार गोंड़ सपा के प्रत्याशी विजय सिंह गोंड़ से आगे चल रहे हैं। अभी भी मतगणना जारी है। घोरावल से भाजपा के अनिल मौर्य जीते सुबह नौ बजे पोस्टल बैलट में राज्यमंत्री व ओबरा प्रत्याशी संजीव आगे चल रहे हैं। राबर्टसगंज सीट से भाजपा प्रत्याशी भूपेश चौबे पोस्टल बैलट में आगे चल रहे है। दुद्धी विधानसभा सीट से सपा प्रत्याशी विजय सिंह गौड़ पोस्टल बैलट में आगे चल रहे हैं। घोरावल विधानसभा सीट का रुझान अभी कुछ देर में आएगा। सुबह से ही राजकीय पालीटेकिन्क में बने मतगणना स्थल पर काउंटिंग टीमों के साथ विभिन्न दलों के मतगणना एजेंटों ने भी पहुंचकर अपने दलों के लिए परिणाम नोट करने की तैयारी शुरू कर दी है। सोनभद्र में मतगणना के दौरान 226 कर्मचारी शामिल किए गए हैं। मतगणना स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए पीएसी, पैरा मिलिट्री फोर्स और यूपी पुलिस के जवान तैनात हैं। सोनभद्र में सबसे अधिक घोरावल में राउंड की मतगणना होगी। वहीं राबर्ट्सगंज में 30,ओबरा में 24 और दुद्धी में 25 राउंड में मतगणना होनी है। आठ बजते ही सबसे पहले डाक से प्राप्त मतपत्रों की गिनती शुरू कर दी गई। जिले में धारा 144 लागू होने के साथ ही मतगणना स्थल पर भारी फोर्स की तैनाती सुरक्षा कारणों से की गई है।

भाजपा का क्लीन स्वीप, चारों सीटों पर खिला कमल

सोनभद्र। विधानसभा चुनाव 2022 की मतगणना में भाजपा को बड़ी जीत मिली है। पार्टी ने चारों विधानसभा सीटों पर क्लीन स्वीप

कर गुरुवार को राजकीय पालिटेकिन्क कालेज परिसर में हुई मतों की गिनती के बाद भाजपा के चारों प्रत्याशियों के जीत की घोषणा जिला निर्वाचन अधिकारी टीके शिबू ने की। उन्होंने चारों विजेताओं को जीत का प्रमाण पत्र भी सौंपा। जिले की 400 घोरावल सामान्य सीट पर भाजपा प्रत्याशी डा. अनिल कुमार मौर्य ने लगातार दूसरी बार जीत दर्ज की। इस बार फिर सपा के प्रत्याशी पूर्व विधायक रमेश चंद्र दुबे को हराया। अनिल को 101120 मत व रमेश चंद्र को 76775 मत हासिल हुए। इस तरह अनिल मौर्या ने 24345 मत से जीत हासिल की। 401 विधानसभा सीट राबर्ट्सगंज सामान्य पर भी भाजपा के भूपेश चौबे ने लगातार दूसरी बार जीत हासिल की। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी सपा के प्रत्याशी पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा को 5905 मत से हराया। भूपेश चौबे को 84354 मत मिले जबकि अविनाश कुशवाहा को 78449 मत मिले। 402 ओबरा अनुसूचित जनजाति सीट पर भाजपा के प्रत्याशी राज्यमंत्री संजीव गोंड़ ने जीत हासिल की। उन्होंने अपने निकट प्रत्याशी सपा के अरविद कुमार ऊर्फ सुनील सिंह गोंड़ को पराजित किया। यहां संजीव को 78243 मत प्राप्त हुए जबकि अरविद ऊर्फ सुनील को 51526 मत हासिल हुए। पूर्व दर्जा प्राप्त मंत्री बसपा प्रत्याशी सुभाष खरवार भी 20096 मत पाकर हार गए। उधर यूपी की आखिरी विधानसभा सीट 403 दुद्धी अनुसूचित जनजाति पर पहली बार कमल खिला। यहां भाजपा के प्रत्याशी रामदुलार गोंड़ ने जीत हासिल कर दुद्धी सीट का राजनीतिक इतिहास बदल दिया। रामदुलार गोंड़ को 84295 मत मिले जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी सपा के प्रत्याशी विजय सिंह गोड़ को 77572 मत हासिल हुआ। यहां वर्तमान विधायक व बसपा के प्रत्याशी हरिराम चेरो अपनी सीट नहीं बचा सके और उन्हें महज 23825 मत ही हासिल हुए। इस तरह जिले में पहली बार चारों सीटों पर भाजपा को जीत हासिल हुई है। भाजपा प्रत्याशियों की जीत पर कार्यकर्ताओं ने जमकर जश्न मनाया। विजेताओं को माला पहनाया और तरह-तरह के नारे लगाए। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे।

अबीर गुलाल लगाकर आतिशबाजी कर मनाया जीत का जश्न

अनपरा (सोनभद्र)। भाजपा का बहुमत सिद्ध होते ही ऊर्जांचल में बुलडोजर रिटर्न बाबा की गूंज जोरो पर रही। औड़ी मोड़ बीना रोड स्थित जैन कांप्लेक्स पर भाजपा के केसी जैन के नेतृत्व में जमकर जीत का जशन मनाया गया। अन्य जगहों पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने विजय का जशन अबीर-गुलाल लगाकर एवं आतिशबाजी कर जशन मनाया। बैंड बाजे की धुन पर यूपी में का बा, बुलडोजर बाबा बा, योगी जी वाह आदि चुनाव प्रचार के दरम्यान गीत व नारों को लगाते हुए क्षेत्र का भ्रमण कर जीत की खुशी मनाई। सड़कों पर अबीर गुलाल से सराबोर लोग जीत की खुशी मनाने के लिए उमड़ पड़े। ऊर्जांचल होली के रंग में रंगा रहा। जीत की खुशी का बयार औद्योगिक इकाईयों में भी जारी रहा। कोल व तापीय परियोजना में ड्यूटी के दौरान भी भाजपा की जीत पर खुशी व जशन का माहौल रहा। जगह-जगह मिष्ठान का वितरण किया गया।

चुनाव बाद अब परीक्षा की तैयारियों को लेकर कसरत

मीरजापुर। यूपी बोर्ड कक्षा 10 और 12 की परीक्षाएं 24 मार्च से 12 अप्रैल तक आफलाइन होंगी। बोर्ड परीक्षाओं की विस्तृत समय सारिणी जारी हो गई है। हाई स्कूल की परीक्षा 12 कार्य दिवसों में पूरी की जाएगी, जबकि इंटरमीडिएट की परीक्षा 15 कार्य दिवसों में पूरी होगी। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय सहित परीक्षा केंद्र बोर्ड परीक्षा की तैयारियों में जुट गए हैं। जिले में 113 केंद्रों पर माध्यमिक शिक्षा परिषद की परीक्षाएं होंगी। परीक्षा में 66097 छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल होंगे। माध्यमिक शिक्षा परिषद की परीक्षा में कुल 66097 परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं। संस्थागत में 63,860 परीक्षार्थी हैं, इसमें 32,088 बालक और 31,772

बालिकाएं हैं, जबकि हाईस्कूल में 121 और इंटरमीडिएट में 2116 सहित 2237 व्यक्तिगत परीक्षार्थी भी परीक्षा देंगे। कोविड-19 के चलते वर्ष 2022 की परीक्षा में 6179 परीक्षार्थी कम हुए हैं। डीआइओएस सत्येंद्र कुमार सिंह के अनुसार माध्यमिक शिक्षा परिषद की परीक्षा वर्ष 2022 में कक्षा 10 में 18206 बालक और 17246 बालिका सहित 35452 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। वहीं इंटरमीडिएट में 13882 बालक और 14526 बालिका सहित 28402 परीक्षार्थी परीक्षा के लिए पंजीकृत हैं। जनपद में सात राजकीय, 41 एडेड और 59 स्ववित्तपोषित विद्यालय सहित 107 परीक्षा केंद्र हैं। यूपी बोर्ड परीक्षा 2021 में हाईस्कूल में 20154 बालक और 18870 बालिका सहित 39024 परीक्षार्थी शामिल हुए थे। वहीं इंटरमीडिएट परीक्षा में 16364 बालक ओर 14651 बालिका सहित 31051 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे। माध्यमिक शिक्षा परिषद ने वर्ष 2022 के लिए परीक्षा केंद्रों की जारी सूची के अनुसार इस वर्ष जनपद में 110 पुराने परीक्षा केंद्र तो तीन परीक्षा केंद्र नए बने हैं। इस वर्ष विष्णु चरण आदर्श इंटर कालेज कोटवां पहाड़ी, जनता जनार्दन इंटर कालेज तिलांव लालगंज और मदर टेरेसा इंटर कालेज हलिया को नया परीक्षा केंद्र बनाया गया है। परीक्षा के लिए आनलाइन निर्धारित किया गया है।

मारपीट के मामले में 11 पर हुआ मुकदमा पांच गिरफ्तार छ फरार

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरी

डाला (सोनभद्र) ।प्रदेश में भाजपा व क्षेत्रीय विधायक की जीत का गुरूवार की देर साम जशन मनाना एक भाजपा समर्थक परिवार को भारी पड़ गया।योगी-मोदी विजय के बज रहे गाने को अचानक बंद कराने पहुँचे विपक्षियो के बीच गाली-गलौज के बाद मारपीट की घटना में छह लोगो चोटे आई।घटना चोपन थाना क्षेत्र के तेलगुडवा चौराहा स्थित दुकान के पास घटी। घटना के बाद चोपन पुलिस ने सपा नेता सहित ग्यारह लोगों पर मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही मे जुट गई ।चोपन पुलिस ने बताया की तेलगुडवा चौराहे पर सदर विधायक के जीत की खुशी में कुछ लोग अपनी दुकान के सामने गाना बजाकर जीत का जशन मना रहे थे। इसी बीच दर्जनों लोग एकत्र हो गए और जशन मना रहे लोगों पर लाठी-डंडा, पत्थर व शीशे की बोतल से हमला कर दिया।घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुचे दो पुलिस कर्मीयों के मना करने पर भी मारपीट की घटना को अंजाम देते रहे।चिखपुकार सुन महिलाओं द्वारा दौडाने पर हमलावर भाग गये।मारपीट की घटना विरेन्द्र पासवान ऊर्फ आर डी (39)पुत्र उमाशंकर पासवान ऊर्फ भोला, मन्नू (28)पुत्र उमाशंकर पासवान, उमाशंकर पासवान ऊर्फ भोला(65), जितेन्द्र कुमार(36) पुत्र उमाशंकर पासवान, धीरेन्द्र पासवान(24)पुत्र उमाशंकर पासवान,मुनन उर्फ राकेश पासवान(21)पुत्र महेन्द्र पासवान व कुछ अन्य लोगो के घायल होने की बात कही जा रही है।घायलो में विरेन्द्र को गंभीर चोटे आई है। घटना की जानकारी होते चोपन इंस्पेक्टर के.के. सिंह व डाला चौकी प्रभारी मनोज कुमार ठाकुर मय फोर्स घटना स्थल पहुचँ गए और घायलों को अस्पताल ले जाया गया।घायल जितेन्द्र ने बताया कि उसके पिता व दो भाई समेत तीन लोग गंभीर होने के कारण ट्रामासेन्टर वाराणसी में भर्ती है।चोपन थानाध्यक्ष के.के.सिंह ने बताया कि धीरेन्द्र पासवान की तहरीर पर ग्यारह लोगो के विरूद्ध नामजद मुकदमा विभिन्न धाराओं में पंजीकृत किया गया।नामजद लोगो में आमिल बेग पुत्र आदिल बेग निवासी डाला चढाईरविन्द्र जायसवाल पुत्र गंगा प्रसाद , नगीना उर्फ लड्डू पुत्र रामजनम पटवा, शुभम मोदनवाल पुत्र मोहन लाल , पप्पू पुत्र राजकुमार यादव ,वकिल यादव पुत्र अज्ञात , सोनू अग्रहरि पुत्र राजू अग्रहरि ,मिड्डू अग्रहरि पुत्र राजू अग्रहरि ,दीपक पासवान पुत्र मनोज पासवान ,संजीव उर्फ पिंकू पासवान पुत्र मनोज पासवान ,ओंकार पुत्र सत्य नारायण पासवान सभी निवासी तेलगुडवा के रहने वाले है। वीरेंद्र प्रताप सिंह की तहरीर पर चोपन थाना पर मु0अ0स0 एससी एसटी एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया। जिसमें आमिल बैग, नगीना उर्फ लड्डू, शुभम मोदनवाल, वकील अहमद, व पप्पू, गिरफ्तार कर कार्रवाई की गई।

नर्सिंग की छात्रा ने नहर में लगाई छलांग

अनपरा (सोनभद्र)। सिगरौली जनपद के विंध्यनगर थाना अंतर्गत एनटीपीसी की नहर में एक छात्रा ने गुरुवार को छलांग लगा दी, जिसकी तलाश गोताखोरों की मदद से की जा रही है। ग्राम सरई के टोला गोरा गांव निवासी 19 वर्षीया सावित्री साहू बैढ़न स्थित एक कालेज के हास्टल में रहकर नर्सिंग की पढ़ाई कर रही थी। सुबह में वह हास्टल से गहिलगढ़ स्थित सेमरा बाबा मंदिर के समीप नहर के पास आई। छात्रा ने अपने भाई को नहर में कूदने की सूचना दी। उसने अपनी मोबाइल मंदिर में ही रख दी। उसके भाई ने बहन के मोबाइल पर फोन किया तो मंदिर के पुजारी ने उठाया। भाई ने पूछा कि मेरी बहन कहां है, तो पुजारी ने बताया कि मंदिर के समीप मोबाइल पड़ा था। घंटी बजने पर मै उठाया। भाई ने कोई अनहोनी समझ पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे विंध्यनगर थाना के टीआई उमेश प्रताप सिंह सीआइएसएफ गोताखारों की मदद से छात्रा की तलाश करने में लगे हैं। छात्रा के अन्य रिश्तेदार भी मौके पर पहुंचे हुए हैं।

बगैर चालक के तेज रफ्तार से चला ट्रेलर, बाइक को रौंदा

बीजपुर (सोनभद्र)। गुरुवार की दोपहर बाद रिहंद परियोजना के गेट के सामने एक माल लदा ट्रेलर बिना चालक के ही तेज रफ्तार से चल पड़ा। ट्रेलर ने एक बाइक को रौंदकर नीम के पेड़ से जा टकराया। इससे बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। पेड़ के नीचे बैठे तीन युवकों ने भागकर जान बचाई। ट्रेलर भिवाड़ी हरियाणा से माल लेकर एनटीपीसी परियोजना आया था। ट्रेलर चालक ने लापरवाही करते हुए बिना हैंडब्रेक व ओट लगाए ट्रेलर को एक ढलान पर खड़ा कर दिया। चालक माल की एंट्री कराने मैटेरियल सेक्शन चला गया। इस दौरान पीछे से ट्रेलर बिना चालक के ही चलने लगा। कांट्रैक्टर कॉलोनी निवासी मूसई सिंह अपनी बाइक पर गेट के सामने खड़े थे। उनकी बाइक को बुरी तरह ट्रेलर ने रौंद दिया जिससे मूसई सिंह को गंभीर चोट आई। उनका बांया पैर कट गया। घायल अवस्था में उन्हें रिहंद धन्वंतरि चिकित्सालय ले जाया गया, वहीं नीम के पेड़ के पास बैठे तीन अन्य युवकों ने भागकर जान बचाई। अगर सड़क के बीच में पुराना भारी-भरकम नीम का पेड़ न होता तो किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता था क्योंकि ढलान होने की वजह से ट्रेलर बिना चालक के ही तेज गति से दौड़ रहा था।

आधी आबादी ने जीत में निभाई अहम भूमिका

मीरजापुर। शक्ति स्वरूपा मां विध्यवासिनी की धरा पर भारतीय जनता पार्टी की जीत में आधी आबादी ने अहम भूमिका निभाई। महिलाओं ने बढ़-चढ़कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। महिलाओं के मतदान के बाद से ही विजय रथ आगे निरंतर बढ़ता रहा। विधानसभा चुनाव के दौरान मीरजापुर में कुल 60.34 फीसद लोगों ने मताधिकार का प्रयोग किया था। इसमें से विधानसभा छानबे में 109984, मीरजापुर में 107511, मझवां में 119014, चुनार में 104033 और मड़िहान में 113740 सहित 554282 महिलाओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। विधानसभा छानबे में 106206, मीरजापुर में 118862, मझवां में 125611, चुनार में 115117 और मड़िहान में 122407 पुरुष मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिव प्रताप शुक्ल के अनुसार पांच विधानसभाओं में कुल 1893272 मतदाताओं में से 1142490 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। इसमें 588203 पुरूष, 554282 महिला तथा 05 अन्य मतदाता शामिल है। विधानसभा छानबे में 373787 मतदाताओं में से 216191 मतदाता, मीरजापुर 402842 के सापेक्ष 226377 मतदाताओं ने मतदान किया था। वहीं विधानसभा मझवां में 397107 मतदाताओं के सापेक्ष 244625, चुनार में 353391 के सापेक्ष 219150 तथा मड़िहान में 366145 के सापेक्ष 236147 मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया था।

अनपरा के ठेकेदार 14 से करेंगे हड़ताल

अनपरा (सोनभद्र)। अनपरा तापीय परियोजना के थर्मल कांट्रैक्टर एसोसिएशन ने वर्षों से लंबित भुगतान को लेकर 14 मार्च से हड़ताल शुरू करने का निर्णय लिया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष सलीम खान व सचिव राजाजी पांडेय ने कहा कि प्रबंधन छोटे-छोटे संविदा कार्यों को लेकर एक बड़ा टेंडर निकाल रहा है। इससे यहां के छोटे संविदाकार टेंडर में भाग नहीं ले पा रहे हैं। उनके समक्ष रोजी-रोटी को लेकर भारी समस्या उत्पन्न है। प्रबंधन ठेकेदारों की समस्याओं को बखूबी जानते हुए निराकरण के बजाय और उसमें रुकावट बन रही है। वर्षों से तमाम संविदाकारों के कार्यों का भुगतान नहीं किया गया है। इसके लिए कई बार संविदाकार एसोसिएशन के बैनर तले आंदोलन भी किया गया।

जब्त हो गई चुनार विधानसभा में आठ उम्मीदवारों की जमानत

चुनार (मीरजापुर)। स्थानीय विधानसभा सीट पर विजेता अनुराग सिंह के अलावा सिर्फ अपना दल कमेरावादी के उम्मीदवार डा. आरएस पटेल ही अपनी जमानत बचा सके। शेष आठ उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। इस बार दो लाख 20 हजार 823 वोट डाले गए है। ऐसे में जमानत बचाने के लिए किसी भी प्रत्याशी को 36803 वोटों की दरकार थी, लेकिन गुरुवार को आए चुनाव परिणाम को देखें तो योगी-मोदी लहर में हुई भाजपा प्रत्याशी अनुराग सिंह की प्रचंड जीत के बाद 10 प्रत्याशियों में आठ की जमानत जब्त हो गई। निर्वाचन आयोग के आदेशानुसार जीते हुए प्रत्याशी के अलावा केवल तीन परिस्थितियों में ही उम्मीदवार की जमानत राशि की वापसी का प्रावधान है। प्रत्याशी का नामांकन निर्वाचन अधिकारी द्वारा निरस्त कर दिया जाए या फिर प्रत्याशी द्वारा पर्चा वापस ले लिया जाए या फिर मतदान के दिन से पूर्व उम्मीदवार की मृत्यु हो जाने पर जमानत राशि वापस कर दी जाती है। हारे हुए ऐसे प्रत्याशियों की जमानत राशि तभी वापस होती है जब उन्हें कुल पड़े मत में से छठवें भाग या उससे अधिक वोट मिले हों। चुनार विधान सभा में 220823 वोट डाले गए थे। घोषित परिणामों के आंकड़े देखें तो भाजपा के विजयी प्रत्याशी अनुराग सिंह को एक लाख 10 हजार 980 वोट मिले, जो कुल मतों का 50.26 फीसद था। वहीं 28.7 फीसद मतों के साथ दूसरे स्थान पर रहे अद-सपा गठबंधन के डा. आरएस पटेल को 63366 वोट मिले जो अपनी जमानत बचाने में सफल रहे। तीसरे स्थान पर रहे बसपा के विजय कुमार सिंह 29389 वोट मिलने के बाद भी अपनी जमानत नहीं बचा सके। कांग्रेस की सीमा देवी पांच हजार वोटों का आंकड़ा भी नहीं छू सकीं। साथ ही सभी निर्दल उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। मीरजापुर में फिर खिला कमल का फूल, हाथ को न मिला किसी का साथ विध्य क्षेत्र की धरा पर मीरजापुर में एक बार फिर कमल का फूल खिल गया। जहां एक तरफ हाथ को किसी का साथ नहीं मिला तो वहीं रास्ते में ही साइकिल की हवा ही निकल गई। दूसरी तरफ हाथी कुछ दूर चलने के बाद ही हांफने लगी। मीरजापुर की जनता ने विकासपरक सरकार को एक बार फिर तरजीह दी है तो वहीं अन्य दलों के बड़े-बड़े वादों को नकार दिया। भाजपा से विधानसभा मीरजापुर से रतनकर मिश्रा, चुनार से अनुराग सिंह और मड़िहान से ऊर्जा राज्यमंत्री रमा शंकर सिंह पटेल के साथ ही छानबे से अपना दल एस व भाजपा प्रत्याशी राहुल कोल और मझवां से भाजपा व निषाद के डा विनोद बिद को विजयी बनाया है। सबका साथ सबका विकास विजन लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपने प्रत्याशियों को विधानसभा चुनाव 2022 के मैदान में उतारा था। लोगों का विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो कहते हैं वह करते हैं। इसके चलते लोगों का आत्मीय जुड़ाव धीरे-धीरे भाजपा के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अनवरत बना हुआ है। लोग आज देश के विकास और सम्मान के लिए भाजपा को तरजीह दे रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस द्वारा महिला शक्ति को बढ़ावा देने के साथ ही अनेंक वादे किए इसके साथ ही कर्मचारियों को तीन राज्यों में पुरानी पेंशन भी लागू किया है। वहीं दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी द्वारा भी अपने अपने तरीके से मतदाताओं को अपने पक्ष में करने का पुरजोर प्रयास किया, लेकिन आखिरकार मीरजापुर के साथ प्रदेशभर की जनता ने सबका साथ सबका विकास को तरजीह देते हुए भाजपा का दामन एक बार फिर पकड़ा।

लसिथ मलिंगा की हुई इंडियन प्रीमियर लीग में वापसी, इस टीम के साथ जुड़े

नई दिल्ली। श्रीलंका क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा की आइपीएल 2022 में फिर से वापसी हो गई है। हालांकि इस बार वो इस लीग में बतौर खिलाड़ी नहीं बल्कि बालिंग कोच के तौर पर राजस्थान रायल्स के साथ जुड़े हैं। राजस्थान रायल्स ने मलिंगा को टीम का गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। लसिथ मलिंगा ने साल 2019 के बाद से आइपीएल में नहीं खेला, लेकिन इसके बावजूद वो इस लीग के अब तक के सबसे सफल गेंदबाज हैं। अब वो इस सीजन में राजस्थान के गेंदबाजों को गेंदबाजी का गुर सिखाते हुए नजर आएंगे। लसिथ मलिंगा ने आइपीएल में अपना करियर 2009 में शुरु किया था और 2019 तक वो इस लीग में खेलते रहे। हालांकि इस दौरान वो 2016 सीजन में नहीं खेले थे। आइपीएल में खेले 9 सीजन में उन्होंने कुल 122 मैच खेले और इस दौरान कुल 170 विकेट लिए। मलिंगा अब भी आइपीएल में सबसे

ज्यादा विकेट लेने के मामले में पहले नंबर पर मौजूद हैं। इस दौरान उनका बेस्ट प्रदर्शन 13 रन देकर 5 विकेट रहा था और उन्होंने एक मैच में 5 विकेट लेने का कमाल एक बार जबकि चार विकेट लेने का कमाल 6 बार किया था। राजस्थान रायल्स ने आइपीएल में 2008 में शेन वार्न की कप्तानी में एक बार खिताब जीता था और उसके बाद से ये टीम कभी चैंपियन नहीं बन पाई है। एक बार फिर से ये देखना दिलचस्प होगा कि इस सीजन में ये टीम कैसा प्रदर्शन कर पाती है क्योंकि टीम में काफी खिलाड़ी बदल गए हैं। राजस्थान रायल्स के बल्लेबाज- संजू सैमसन, जोस बटलर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, करुण नायर, रासी वैन डार दुसां, शिमरान हेटमायर और देवदत्त पडिक्कल। राजस्थान रायल्स के आलराउंडर- डैरेल मिचेल, अरुणय सिंह, रियान पराग, शुभम गढ़वाल, रविचंद्रन अश्विन, जेम्स नीशम। राजस्थान रायल्स के गेंदबाज- कुलदीप सेन, नवदीप सैनी, ट्रेंट बोल्ट, नाथन कूल्टर नाइल, ओबेड मैकाय, प्रसिद्ध कृष्णा, केसी करियप्पा, तेजस बरोका, युजवेंद्र चहल और कुलदीप यादव।

डे-नाइट टेस्ट के लिए अक्षर पटेल या मो. सिराज में किसे मिल सकता है मौका, बुमराह ने बताया

नई दिल्ली। भारत ने अपनी धरती पर अब तक कुल दो डे-नाइट टेस्ट मैच खेले हैं और दोनों में ही टीम इंडिया को जीत मिली थी। टीम इंडिया ने अपनी सरजमीं पर पहला डे-नाइट टेस्ट मैच बांग्लादेश के खिलाफ तो दूसरा इंग्लैंड के खिलाफ खेला था और दोनों में ही उसे बड़ी जीत मिली थी। रोहित शर्मा की कप्तानी में अब भारत अपनी धरती पर तीसरा डे-नाइट टेस्ट मैच खेलने जा रहा है और जाहिर है ये टीम अपने विजयी अभियान को जारी रखना चाहेगी। बेंगलुरु में शनिवार से खेले जाने वाले डे-नाइट टेस्ट मैच में प्लेइंग इलेवन का चयन भी अहम रहने वाला है। हालांकि इसमें ज्यादा बदलाव नहीं दिखेंगे, लेकिन जयंत यादव को बाहर किया जा सकता है क्योंकि टीम में अक्षर पटेल की वापसी हो चुकी है जो स्पिन गेंदबाजी के साथ-साथ शानदार बल्लेबाजी भी करते हैं। टीम में जयंत की जगह लेने के लिए अक्षर पटेल के साथ-साथ मो. सिराज भी हैं जिनके लिए बेंगलुरु घरेलू मैदान जैसा है क्योंकि आरसीबी के लिए उन्होंने यहां पर कई मैच खेले हैं और उन्हें यहां पर खेलने का काफी अनुभव है। बेंगलुरु में पहली बार पिंक बाल

टेस्ट मैच होने जा रहा है और इसमें गुलाबी एसजी गेंद लाल चेरी गेंद के मुकाबले अलग तरीके से बर्ताव करेगी। बेंगलुरु में शुरुआती तीन दिनों तक बल्लेबाजों को मदद मिलती है तो वहीं अंत में दो दिन तक पिच से स्पिनरों को मदद मिलती है और ये परंपरा पूरी तरह से जारी रहने का अनुमान है। अब अहमदाबाद के पिच के विपरित बेंगलुरु की पिच लाल मिट्टी से बनी है और दरारें खुलने के बाद पहले दो दिन तेज गेंदबाजों को मदद मिल सकती है। वहां का तापमान लगभग 30 डिग्री होगा और ऐसे में दरारें जल्दी खुल सकती है। यही नहीं मैच दिन-रात का होगा तो बेंगलुरु में शाम में हवा होगी जिससे तेज गेंदबाज को गेंद स्विंग कराने में मदद मिलेगी। अक्षर पटेल अहमदाबाद में लाल मिट्टी का इस्तेमाल गेंदबाजी में फायदा उठाने के लिए करते हैं और वहां की सरफेस पर गेंद स्किड करती है। बेंगलुरु में मामला अलग हो सकता है। यहां पर सिराज को इस वजह से फायदा हो सकता है क्योंकि उन्हें यहां पर खेलने का खासा अनुभव है और वो अक्षर के मुकाबले यहां कि परिस्थिति को ज्यादा बेहतर समझते हैं। हालांकि टेस्ट टीम के उप-कप्तान जसप्रीत बुमराह ने ये साफ नहीं किया कि इन दोनों में से किसे प्लेइंग इलेवन में मौका मिल सकता है। वैसे बेंगलुरु की परिस्थिति के मुताबिक सिराज ज्यादा फिट बैठते हैं।

जेसन होल्डर और एनक्रूमा बोनेर ने वेस्टइंडीज को संभाला, इंग्लैड को अब भी 109 रन की बढ़त

नई दिल्ली। जेसन होल्डर और एनक्रूमा बोनेर ने बुधवार को वेस्टइंडीज को शुरुआती झटकों से निकालकर पहले क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन चार विकेट पर 202

रन तक पहुंचाया। दोनों अब तक 75 रन की साझेदारी कर चुके हैं। एक समय वेस्टइंडीज ने चार विकेट 127 रन पर गंवा दिए थे। दोनों ने जोखिम नहीं लेते हुए इंग्लैंड के गेंदबाजों का सामना किया। इंग्लैंड के पास अभी भी 109 रन की बढ़त है। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने पर होल्डर 43 और बोनेर 34 रन बनाकर खेल रहे थे। बारिश के कारण दूसरे दिन का खेल समय से पहले समाप्त करना पड़ा। अपने मंगलवार के स्कोर छह विकेट पर 268 रन से आगे खेलते हुए इंग्लैंड ने 311 रन बनाए। क्रेग ब्रेथवेट और जान कैंपबेल ने 83 रन की साझेदारी की। इस दौरान दोनों ने 13 चौके और एक छक्का जड़ा। कैंपबेल 35 रन बनाकर आउट हुए। वहीं ब्रेथवेट ने 62 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया लेकिन 55 के स्कोर पर मार्क वुड को विकेट गंवा बैठे। शामार ब्रूक्स ने 18 के स्कोर पर स्लिप में बेन स्टोक्स को कैच थमाया। वहीं, जर्मेन ब्लैकवुड को वुड ने उस समय जीवनदान दिया जब उन्होंने खाता भी नहीं खोला था। वह 11 रन बनाकर क्रिस वोक्स का शिकार हुए। वेस्टइंडीज का स्कोर बिना किसी नुकसान के 83 रन था लेकिन उसने चार विकेट 16 ओवर और 44 रन के भीतर गंवा दिए। इसके बाद होल्डर और बोनेर ने पारी को संभाला। इससे पहले इंग्लैंड ने रात के स्कोर में 43 रन ही जोड़े। जानी बेयरस्टो 109 से 140 रन तक पहुंचे और आउट होने वाले आखिरी बल्लेबाज रहे। वेस्टइंडीज के लिए तेज गेंदबाज जेडेन सील्स ने 79 रन देकर चार विकेट लिए।

पिंक बाल टेस्ट मैच के लिए भारत की संभावित अक्षर पटेल को मिल सकता है मौका

नई दिल्ली। भारत को बेंगलुरु में श्रीलंका के विरुद्ध डे-नाइट टेस्ट मैच शनिवार से खेलना है। इससे पहले टीम इंडिया ने तीन डे-नाइट

टेस्ट मैच खेले थे जिसमें दो में उसे जीत जबकि एक में हार मिली थी। भारत ने अपना पहला डे-नाइट टेस्ट मैच बांग्लादेश के खिलाफ खेला था तो वहीं दूसरा मैच आस्ट्रेलिया के खिलाफ जबकि तीसरा डे-नाइट टेस्ट इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। श्रीलंका के खिलाफ भारत का ये पहला डे-नाइट टेस्ट मैच होगा और जाहिर है भारतीय टीम इसमें जीत के साथ टेस्ट सीरीज में मेहमान टीम का क्लीन स्विप करना चाहेगी। पिंक बाल टेस्ट मैच में जीत के लिए भारतीय टीम के लिए प्लेइंग इलेवन का चयन अहम होगा। भारतीय ओपनिंग बल्लेबाजी की बात करें तो रोहित शर्मा पारी की शुरुआत मयंक अग्रवाल के साथ कर सकते हैं। हालांकि शुभमन गिल ओपनर के तौर पर अन्य विकल्प हैं, लेकिन मयंक के खेलने की संभावना ज्यादा नजर आती है। तीसरे नंबर पर पिछले मैच में अच्छी पारी खेलने वाले हनुमा विहारी एक बार फिर से इसी नंबर पर नजर आ सकते हैं तो किंग कोहली चौथे नंबर पर होंगे। श्रेयस अय्यर नंबर पांच पर नजर आएंगे तो वहीं मोहाली टेस्ट मैच में 96 रन की पारी खेलने वाले विकेटकीपर-बल्लेबाज रिषभ पंत का जलवा छठे नंबर पर देखने को मिलेगा। रवींद्र जडेजा को थोड़ी फिटनेस संबंधी परेशानी है, लेकिन ऐसे कोई संकेत नहीं मिले हैं कि वो डे-नाइट टेस्ट में नहीं खेलेंगे ऐसे में पिछले मैच में नाबाद 175 रन की पारी खेलने वाले जडेजा सातवें क्रम पर बल्लेबाजी का जलवा दिखाते नजर आएंगे। आठवें नंबर पर आर अश्विन होंगे तो वहीं जडेजा व अश्विन के हाथों में स्पिन की भी जिम्मेदारी होगी। पिछले मैच में भारतीय टीम मोहाली में तीन स्पिनर के साथ मैदान पर उतरी थी और तीसरे स्पिनर जयंत यादव थे। अब टीम में अक्षर पटेल की वापसी हो चुकी है और वो अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं तो उम्मीद है कि वो जयंत को रिप्लेस कर सकते हैं। हालांकि तेज गेंदबाज मो. सिराज को पिंक बाल टेस्ट मैच के लिए अहम माना जा रहा है ऐसे में ये देखना होगा कि अक्षर पटेल और मो. सिराज में से कौन प्लेइंग इलेवन में जगह बना पाता है। वहीं टीम में अन्य दो तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मो. शमी होंगे। रोहित शर्मा (कप्तान), मयंक अग्रवाल, हनुमा विहारी, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, रिषभ पंत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, आर अश्विन, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज/अक्षर पटेल।

कोहली डे-नाइट टेस्ट मैच में मार्क वा और गैरी सोबर्स का यह रिकार्ड तोड़ने के बेहद करीब

नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में पारी और 222 रन से बड़ी जीत दर्ज करने के बाद टीम इंडिया को श्रीलंका के खिलाफ बेंगलुरु में पिंक बाल टेस्ट मैच खेलना है। 12 मार्च से खेले जाने वाले इस टेस्ट मैच में भारत की नजर श्रीलंका के क्लीन स्विप पर

रहेगी। बेंगलुरु का एम चिननस्वामी स्टेडियम विराट कोहली का होम ग्राउंड है और कोहली अपने 101वें टेस्ट मैच को जरूर यादगार बनाना चाहेंगे। विराट कोहली ने अपने टेस्ट करियर का 100वां टेस्ट मैच मोहाली में श्रीलंका के खिलाफ ही खेले थे। इस टेस्ट मैच में उन्होंने अपने 8000 रन पूरे किए थे। विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट में अब तक कुल 8007 रन बनाए हैं और वो टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में वर्ल्ड में 32वें स्थान पर मौजूद हैं। अब बेंगलुरु टेस्ट मैच में वो दो बल्लेबाजों का रिकार्ड तोड़ने के बेहद करीब हैं। टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में 31वें नंबर पर स्टीव वा हैं जिनके नाम पर 8029 रन दर्ज हैं तो वहीं 30वें नंबर पर 8032 रन के साथ सर गैरी सोबर्स मौजूद हैं। अब बेंगलुरु टेस्ट मैच में कोहली 23 रन बनाते ही स्टीव वा जबकि 26 रन बनाते ही सोबर्स का रिकार्ड तोड़ देंगे और दोनों से आगे निकल जाएंगे। इन बैटिंग रिकार्ड के अलावा विराट कोहली श्रीलंका के खिलाफ डे-नाइट टेस्ट मैच में मैदान पर उतरते ही गैरी कर्स्टन, मखाया एनटिनी और ब्रैंडन मैकुलम की बराबरी कर लेंगे जिन्होंने अपने टेस्ट करियर में कुल 101 टेस्ट मैच खेले थे। वर्ल्ड में सबसे ज्यादा टेस्ट मैच खेलने का मामले में पहले नंबर पर 200 मैच के साथ सचिन तेंदुलकर पहले स्थान पर मौजूद हैं। विराट कोहली से एक बार फिर से उम्मीद रहेगी कि वो 101वें टेस्ट मैच में शतकीय पारी खेलकर अपने दो साल के शतक के सूखे को खत्म करने में कामयाब हों।

कुलदीप को टीम से बाहर करने के फैसले पर जसप्रीत बुमराह ने दी प्रतिक्रिया कहा उन्हें हटाया नहीं गया

नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच होने वाले पिंक टेस्ट से पहले भारतीय टीम ने कुलदीप यादव को बाहर कर दिया था। उनके स्थान पर स्पिन गेंदबाज अक्षर पटेल

को शामिल किया गया था जो श्रीलंका के खिलाफ मैच में आखिरी प्लेइंग 11 में खेल सकते हैं। लेकिन अब कुलदीप के बाहर जाने पर टीम के उप-कप्तान ने प्रतिक्रिया दी है। मैच से एक दिन पहले जसप्रीत बुमराह ने कहा है कि उन्हें टीम ने निकाला नहीं गया है बल्कि उनके मानसिक पहलू को ध्यान में रखकर उन्हें आराम दिया गया है। उन्होंने कहा कि बायो बबल में रहना कभी भी आसान नहीं होता है और यदि आपको खेलने का मौका नहीं मिल रहा है तो फिर बायो बबल में रहने का कोई मतलब नहीं है। आपको बता दें कि पिछले कुछ सालों से कुलदीप यादव टीम में अंदर-बाहर होते रहे हैं। उन्होंने आखिरी टेस्ट मैच फरवरी 2021 में खेला था। कुलदीप की जगह अक्षर पटेल को शामिल किया गया है जो दक्षिण अफ्रीका दौरे पर चोट के कारण नहीं जा पाए थे। जसप्रीत बुमराह ने कहा है कि हम लंबे समय बाद डे-नाइट टेस्ट मैच खेलने जा रहे हैं। इसलिए अपने आप को तैयार करने के लिए हन लाइट्स में प्रैक्टिस कर रहे हैं। भारत ने अपना आखिरी डे-नाइट टेस्ट फरवरी 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ अहमदाबाद में खेला था। अक्षर का टीम में शामिल होना इसलिए भी प्रभावी है क्योंकि पिंक बाल में अक्षर ने इंग्लैंड के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की थी। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ मैच में 11 विकेट लिए थे। उम्मीद है एक बार फिर से उनका वही जादू फिर से बेंगलुरू टेस्ट में भी देखने को मिलेगा। भारत के लिए ये चौथा डे नाइट टेस्ट मैच होगा। इससे पहले तीन टेस्ट में 2 में भारत को जीत जबकि एक मैच में हार का सामना करना पड़ा है। भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा और आखिरी टेस्ट मैच शनिवार को एम चिननस्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच में सौ प्रतिशत दर्शकों की एंट्री हो सकेगी। आपको बता दें कि कोरोना को देखते हुए पहले टेस्ट मैच में केवल 50 प्रतिशत दर्शकों को ही आने की अनुमति दी गई थी।

डे-नाइट टेस्ट में पहली बार आमने सामने होंगे भारत और श्रीलंका जानें दोनों के अब तक का रिकार्ड

नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मैच शनिवार 12 मार्च को बेंगलुरू में खेला जाएगा। भारतीय टीम मोहली टेस्ट जीतकर सीरीज में 1-0 से आगे है। बेंगलुरू टेस्ट डे नाइट होगा। भारत की सरजमीं पर ये तीसरा डे-नाइट टेस्ट मैच होगा। रोहित शर्मा के लिए कप्तान के तौर पर ये पहला डे-नाइट टेस्ट मैच होगा। इससे पहले अपने घर पर भारत ने दो डे नाइट टेस्ट खेले हैं और दोनों मैचों में भारत को जीत मिली है। पहली बार भारत ने बांग्लादेश को हराया था जबकि दूसरी बार उसने इंग्लैंड को हराया। इस तरह डे-नाइट टेस्ट में अपने घर पर भारत का सौ-प्रतिशत जीत का रिकार्ड है। भारत को डे नाइट टेस्ट में एकमात्र हार देश से बाहर मिली है। टीम को एडिलेड में आस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था जिसे टीम इंडिया भूलना चाहेगी। उस मैच में भारत की पारी केवल 36 रन पर आलआउट हो गई थी। भारतीय टीम के लिए सबसे अच्छी बात ये है कि विराट कोहली के नाम हीं डे-नाइट टेस्ट में एकमात्र सेंचुरी है और बेंगलुरू टेस्ट में इसे दोहराने की कोशिश करेंगे। इसके

अलावा रविचंद्रन अश्विन के पास भी इस मैच में एक और इतिहास बनाने का मौका होगा। उनके अभी 436 विकेट हैं जबकि यदि वो 3 और विकेट ले लेते हैं तो दक्षिण अफ्रीका के डेल स्टेन की बराबरी कर सकते हैं। भारत ने अब तक तीन डे-नाइट टेस्ट मैच खेले हैं एक आस्ट्रेलिया में और दो अपने घर पर, आस्ट्रेलिया में उसे हार का सामना करना पड़ा है जबकि घर में खेले गए दोनों मैचों में उसे जीत मिली है। ये दोनों मैच 5 दिन से पहले खत्म हुए हैं। श्रीलंका की बात करें तो श्रीलंका ने भी अब तक तीन डे नाइट टेस्ट मैच खेले हैं और भारत की तरह 2 में उसे जीत और 1 में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में बेंगलुरू टेस्ट में दोनों के पास अपना रिकार्ड बेहतर करने का मौका होगा।

राशिफल

मेष-: आज आप कुछ तनाव में रह सकते हैं। आज से आपको बुरी आदतों को छोड़ देना चाहिए। जीवन साथी के साथ मधुरता बनी रहेगी।

वृष-: आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा। विद्यार्थी पढ़ाई में रूचि लेंगे। अगर आप किसी सरकारी काम से जा रहे हैं तो अपने साथ जरूरी दस्तावेज ले जाना न भूलें।

मिथुन-: आपका कठोर व्यवहार आपके जीवनसाथी के साथ आपके संबंधों में तनाव ला सकता है. ऐसा कोई भी काम करने से पहले उसके अंजाम के बारे में सोच लें।

कर्क-: अगर आप अविवाहित हैं तो आज आपको कई प्रस्ताव मिल सकते हैं. वह व्यक्ति आज आपको कोई प्रस्ताव भी भेज सकता है, जिससे आप आकर्षित है

सिंह-: आज का दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा. आज आप हर चुनौती का डटकर सामना करेंगे। विद्यार्थियों को आज थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ेगी

कन्या-: आपकी शाम कई तरह की भावनाओं से घिरी रहेगी और इसलिए तनाव भी दे सकती है. लेकिन ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि आपकी खुशी आपको आपकी निराशाओं से ज्यादा खुशी देगी।

तुला-: आज धार्मिक आस्था में वृद्धि होगी. संतों का साथ मिल सकता है। राजनीति से जुड़े लोगों को पद मिल सकता है। पारिवारिक माहौल वैसा ही रहेगा।

वृश्चिक-: आज आप काफी ऊर्जावान महसूस करेंगे। कोई भी काम शुरू करने से पहले बड़ों की सलाह जरूर लें। आज किसी भी तरह के विवाद में पड़ने से बचें, क्रोध पर नियंत्रण रखें।

धनु-: किसी भी कीमत पर आपा न खोएं अन्यथा परिवार में अनबन हो सकती है. यदि आप प्रयास करेंगे तो आप शांति और सद्भाव बनाए रखने में सक्षम होंगे।

मकर-: बुरी आदतों को छोड़ने के लिए आज का दिन उत्तम है. राजनीतिक महत्वाकांक्षा पूरी होगी। आय और व्यय के बीच संतुलन बनाए रखें।

कुंभ-: आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। दोस्तों के साथ मस्ती में दिन बीतेगा। दोस्तों के साथ पार्टी में जाएंगे, पुराने दोस्तों से मुलाकात होगी।

मीन-: अधिक भोजन और शराब के सेवन से बचें। बैंक से जुड़े लेन-देन में बहुत सावधानी बरतने की जरूरत है। आपका जीवन साथी आपकी मदद करेगा और मददगार साबित होगा।

सम्पादकीय

जानें उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोवा विधानसभा चुनाव के नतीजों के क्या हैं संदेश

हमारे समाज में अग्रिम मोर्चे पर खड़े ऐसे लोगों की संख्या काफी है, जो धरातल की वास्तविकता के बजाय अपने सोच के अनुरूप जन मनोविज्ञान की कल्पना कर लेते हैं। उस समूह का मानना था कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोवा में से चार राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं, इसलिए पार्टी को यहां प्रदेश के साथ केंद्र सरकार के दोहरे जन विरोधी मनोविज्ञान का सामना करना होगा। इसके साथ उनका विश्लेषण यह भी था कि केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकारों ने नीतियों और वक्तव्यों में हिंदुत्व पर जैसी प्रखरता दिखाई उससे अल्पसंख्यकों के साथ पढ़ा-लिखा वर्ग भी नाराज है। इस तरह उसे तीन प्रकार के सत्ता विरोधी रुझान का सामना करना है और उसकी सरकारों का जाना निश्चित है, लेकिन चुनाव परिणामों ने एक बार फिर उन्हें गलत साबित कर दिया है। उत्तर प्रदेश को देखें तो तीनों श्रेणी का सत्ता विरोधी रुझान सबसे ज्यादा यहीं होना चाहिए था। आखिर हिंदुत्व का सर्वाधिक मुखर प्रयोग इसी राज्य में हुआ। अल्पसंख्यकों की बड़ी संख्या यहीं है। भाजपा के विरुद्ध प्रचार करने वाली गैर दलीय ताकतें भी यहां सबसे ज्यादा सक्रिय थीं। यह माहौल बनाया गया कि भाजपा को पराजित करना है तो एकजुट होकर सपा के पक्ष में मत डाला जाए। हुआ भी यही। बसपा की कमजोर उपस्थिति के कारण भाजपा विरोधी कुछ मतों का तो ध्रुवीकरण सपा के पक्ष में हुआ, लेकिन उसे बहुत लाभ नहीं मिला। दूसरी ओर भाजपा के पक्ष में सकारात्मक मत ज्यादा है। दरअसल हिंदुत्व और उस पर आधारित राष्ट्रीयता के साथ केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा समाज के वंचित तबकों के हित में किए गए कार्य, उनको पहुंचाए गए लाभ, अपराध नियंत्रण के कारण कायम सुरक्षा स्थिति तथा नेतृत्व के रूप में केंद्र में नरेंद्र मोदी और प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति ने विरोधियों की कल्पनाओं को ध्वस्त कर दिया। इसी तरह केंद्र और प्रदेश सरकार ने आमजन के पक्ष में कल्याणकारी कार्यक्रमों के साथ सिर पर छत, संकट काल में पेट में अन्न तथा जेब में थोड़े पैसे पहुंचाने की नीतियों से ऐसा बड़ा समर्थक समूह खड़ा कर दिया, जिसकी काट किसी के पास नहीं थी। ये बातें भाजपा शासित सभी राज्यों में थोड़ा या अधिक लागू होती हैं। चाहे उत्तराखंड हो, मणिपुर या गोवा सब जगह लाभार्थियों का एक बड़ा वर्ग तैयार हो चुका है। उत्तराखंड में भाजपा ने मुख्यमंत्री बदले तो इससे नुकसान होने के बजाय पार्टी के अंदर का असंतोष दूर हो गया। असंतोष नहीं हो तो लड़ाई जीतना आसान होता है। यहां धामी के नेतृत्व में भाजपा एकीकृत होकर चुनाव लड़ी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहाड़ और तराई के लिए विकास की जो कल्पना दी और केदारनाथ एवं अन्य धार्मिक स्थलों से लेकर तीर्थ यात्राओं के लिए जितना कुछ किया, उसका सकारात्मक प्रभाव पड़ा। उत्तराखंड के लोगों के समक्ष भाजपा के सामने केवल कांग्रेस ही दूसरा विकल्प है। उत्तराखंड की स्थापना के बाद कोई भी सरकार लगातार दोबारा चुनाव में वापस नहीं आई। इसे देखते हुए कांग्रेस इस बार उम्मीद कर रही थी, लेकिन कांग्रेस भाजपा के समानांतर कोई विजन नहीं दे सकी। हरीश रावत जाने पहचाने नेता हैं, लेकिन उन्हें ही एक समय अपनी पार्टी की अंदरूनी कलह से दुखी होकर ट्वीट करना पड़ा। मणिपुर और गोवा के चुनाव परिणामों से भी कुछ मुखर संदेश निकले हैं। मणिपुर का प्रमुख संदेश यही है कि भाजपा वहां स्थापित ताकत बन चुकी है। लगातार तीन बार सत्ता में रहने वाली कांग्रेस की दशा सबके सामने है। गोवा में पिछली बार भाजपा को केवल 14 सीटें मिली थीं। इस बार मनोहर पर्रीकर जैसा नेता न होने के बावजूद लोगों ने अगर उसे अधिक सीटें दी तो जाहिर है न सरकार के विरुद्ध रुझान था और न ही कांग्रेस सहित आम आदमी पार्टी या तृणमूल कांग्रेस को लेकर कोई आकर्षण। पंजाब में भाजपा बड़ी शक्ति नहीं रही है। अकाली दल के साथ गठबंधन में उसे 23 विधानसभा और तीन लोकसभा सीटें ही लड़ाई के लिए मिलती रहीं। इस कारण एक ताकत होते हुए भी उसका राजनीतिक विस्तार पूरे प्रदेश में नहीं हो पाया। कैप्टन अमरिंदर सिंह कांग्रेस से अलग तो हुए, लेकिन उन्होंने उसे ज्यादा क्षति पहुंचाकर अपनी पार्टी को सक्षम बनाने का अभियान नहीं चलाया।

पांचों राज्यों के चुनाव परिणाम में है संतुलित भविष्य के सपने का जनादेश

वर्ष 1996 के आम चुनावों के पहले तक देश की सबसे मजबूत और प्रभावी कांग्रेस पार्टी होती थी। तमिलनाडु जैसे कुछ राज्यों में उसकी ताकत न के बराबर रह गई थी, लेकिन तब तक राजनीति और राजनीतिक गठबंधनों के केंद्र में कांग्रेस ही होती थी। चाहे समर्थन हो या विरोध, पूरी राजनीति उसी के इर्द-गिर्द घूमती थी। वर्ष 1996 में भारतीय जनता पार्टी लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, उसे शिवसेना और समता पार्टी जैसी कुछ पाटिर्यों को छोड़ समर्थन नहीं मिला। तेरह दिन की सरकार में अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था, एक दिन सूरज उगेगा, कमल खिलेगा। भारतीय राजनीति के आकाश पर 2014 से कमल खिलने का जो सिलसिला शुरू हुआ है, 2022 तक पूरे राजनीतिक परिदृश्य को बदल चुका है। अब भारतीय राजनीति के केंद्र में हिंदुत्ववादी दर्शन से राजनीतिक यात्रा शुरू करके गांधीवादी समाजवाद के साथ सामंजस्य बैठाने वाली भारतीय जनता पार्टी है। दूसरे दल या तो उसके समर्थन में हैं या विरोध में हैं। मौजूदा विधानसभा चुनावों के नतीजों ने भाजपा को राजनीतिक केंद्र में जैसे पूरी तरह स्थापित कर दिया है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर में सहजता से सत्ता में वापसी और गोवा में बड़े दल के तौर पर उभार भाजपा की यात्रा का महत्वपूर्ण प्रस्थान बिंदु है। एक्जिट की तरह आए एक्जेक्ट पोल ने एक्जिट पोल की इज्जत बचा ली है। इंटरनेट मीडिया पर निश्चित तौर पर ईवीएम सवालों के घेरे में रहेगा। लेकिन भाजपा की इस जीत से राजनीति में कुछ नई परंपराओं की उम्मीद की जा सकती है। यह कि सकारात्मक नजरिये से भी वोट मांगा जा सकता है और जनता उस अनुरोध को स्वीकार कर सकती है। यह सकारात्मकता का ही असर कहा जाएगा कि हर दौर में उत्तर प्रदेश की राजनीति जाति और धर्म के खांचे की बुनियाद पर टिकी रही है। ऐसा नहीं है कि इस चुनाव में जाति और धर्म के खांचे प्रभावी नहीं रहे। लेकिन यह भी सच है कि इस बार एक ऐसा वोट बैंक उभरा है, जिसे विकास से मतलब है। कोरोना की महामारी के बीच उत्तर प्रदेश प्रति व्यक्ति कम आयवर्ग वाले राज्य में लोगों को मुफ्त में राशन मिला, किसानों को सम्मान निधि की रकम मिली, करीब 45 लाख लोगों को मकान मिले, इज्जत घर मिले, उसका भी असर इन चुनावों में दिखा है। यहां यह बताना जरूरी है कि योगी आदित्यनाथ शौचालय को इज्जत घर कहते हैं। इसने महिलाओं की बड़ी संख्या को योगी आदित्यनाथ की ओर आकर्षित किया। जबकि अखिलेश महिलाओं में भरोसा पैदा करने में नाकाम रहे। एक तथ्य यह भी है कि पूरे साढ़े चार साल तक उत्तर प्रदेश का प्रमुख विपक्षी दल सपा विपक्ष की भूमिका निभाता नजर नहीं आया। हाथरस, उननव और लखीमपुर खीरी की घटना को जितना जोर-शोर से प्रियंका गांधी और कांग्रेस ने उठाया, वैसी सक्रियता समाजवादी पार्टी नहीं दिखा पाई। लेकिन कांग्रेस और प्रियंका की कोशिश से उभरी जनविक्षोभ की भावना को अखिलेश यादव और उनकी पार्टी भुनाने में कामयाब रही। तो क्या यह मान लिया जाए कि कांग्रेस का उभरना उत्तर प्रदेश में संभव नहीं रहा। जिस तरह भाजपा विरोधी वोटरों ने कांग्रेस को नकारा है, उससे ऐसा ही लगता है। उत्तर प्रदेश में करीब 20 प्रतिशत वोट दलित समुदाय का है। लेकिन बहुजन समाज पार्टी इस चुनाव में पूरी तरह निस्तेज हो गई है। पिछड़े वर्ग में यादव समुदाय के बारे में सामान्य धारणा यह है कि वह पिछड़े समुदाय की दूसरी जातियों और दलितों के साथ दबंगों जैसा व्यवहार करती है। फिर 1995 का गेस्ट हाउस कांड भी दलित वोटर शायद नहीं भूल पाया है। इसलिए यह वोट बैंक भी अखिलेश की तरफ शिफ्ट नहीं कर पाया। केवल उत्तर प्रदेश ही नहीं, उत्तराखंड, मणिपुर और गोवा में भी वोटिंग का यही पैटर्न नजर आ रहा है। चारों राज्यों में मोदी और भारतीय जनता पार्टी ब्रांड को आधी आबादी का समर्थन हासिल है। इन चारों राज्यों के लोगों ने विकास की गतिविधियों को पिछली सरकारों की तुलना में कहीं ज्यादा गंभीरता से धरातल पर उतरते देखा है। उत्तराखंड की सरकार ने जिस तरह रेल कारीडोर बनाने की शुरुआत की है, केदारनाथ को जैसे संवारा गया या फिर सड़कें सुधारी गईं, इसके साथ ही केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना, शौचालय, किसान सम्मान निधि आदि का भी असर हुआ है। सबसे बड़ी बात यह है कि भाजपा शासित राज्यों में इन पांच वर्षों में कोई बड़ा घोटाला सामने नहीं आया। पंजाब में चूंकि बारी बारी से कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल सत्ता में आते रहे, वहां तीसरा विकल्प नहीं रहा। लेकिन जैसे ही आम आदमी पार्टी ने तीसरे विकल्प के तौर पर खुद को प्रस्तुत किया, लोगों ने उस पर भरोसा जताया। पंजाब के मुख्यमंत्री रहते कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कृषि कानून विरोधी आंदोलन को खूब शह दिया, किसानों के 22 संगठनों का मोर्चा भी मैदान में आ गया। लेकिन लोगों ने किसान संगठनों के साथ ही अमरिंदर सिंह को भी नकार दिया। पंजाब में दलित समुदाय के चरणजीत सिंह चननी को मुख्यमंत्री बनाकर कांग्रेस ने राज्य के 32 प्रतिशत दलित मतदाताओं को साधने की कोशिश की, लेकिन उसका दांव बेकार रहा। कुल मिलाकर भाजपा की चार राज्यों में वापसी मोदी ब्रांड की ताकत को तो जाहिर करती ही है। लेकिन यह भी सच है कि 1985 के चुनाव के बाद पहली बार दोबारा सत्ता में वापसी करके आदित्यनाथ ने जता दिया है कि जनता का भरोसा रहा तो वे भारतीय जनता पार्टी के अगले ब्रांड बन सकते हैं। रही बात पंजाब की तो वहां अब दो ध्रुवीय राजनीति होने के आसार फिर से बन गए है। निश्चित तौर पर अब दूसरा ध्रुव भारतीय जनता पार्टी होगी, अभी पहला ध्रुव आम आदमी पार्टी तो है ही।

रंग पर उन्होंने ज्यादा भरोसा किया। लेकिन जिस पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कृषि कानूनी विरोधी आंदोलन का सबसे ज्यादा असर था, वहां भी उनका जादू नहीं चला। लोगों ने यह जरूर माना कि बेसहारा पशुओं की वजह से उनके खेती को नुकसान होता है, लेकिन इसके लिए वे योगी को उसी तरह जिम्मेदार मानने को तैयार नहीं हुए, जिस तरह नोटबंदी से हुई परेशानियों के बावजूद पांच साल पहले लोग मोदी से नाराज नहीं हुए थे। अखिलेश यादव की बदली हुई भाषा और मीडिया से लेकर पुलिस वालों से आक्रामक व्यवहार उनके समर्थकों को भले ही पसंद आया हो, लेकिन आम मतदाताओं को यह अच्छा नहीं लगा। लोगों को ऐसा लगा कि अगर अखिलेश सरकार की वापसी होती है तो फिर से बदअमली की वापसी होगी। विशेषकर महिलाओं ने... में पुरुषों की तुलना में ज्यादा महिलाओं ने वोट डाले। विशेषकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में महिलाएं सामान्य बातचीत में भी यह मानने से नहीं हिचकीं कि योगी आदित्यनाथ की अगुआई में चल रही सरकार की वजह से अब उन्हें गुंडे और मवालियों का सामना नहीं करना पड़ता। उत्तर प्रदेश के चुनाव में अखिलेश यादव तीन हरे रंगों पर ज्यादा भरोसा कर रहे थे। कृषि कानून विरोधी आंदोलनकारियों की हरी टोपी, हरे-भरे खेतों को नुकसान पहुंचाने वाले बेसहारा पशुओं के साथ ही इस्लाम के हरे

तीन उड़ानों से स्वदेश लाए जा रहे सूमी से निकाले गए छात्र

नई दिल्ली। युद्धग्रस्त यूक्रेन के शहर सूमी से निकाले गए लगभग 600 भारतीय छात्रों के समूह को तीन उड़ानों के जरिये स्वदेश लाया जा रहा है। ये उड़ानें शुक्रवार सुबह भारत पहुंचेंगी। ये छात्र गुरुवार को पोलैंड पहुंचे थे। छात्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, उन्हें लाने के लिए तीनों उड़ानें पोलैंड के शहर रेजजो से संचालित की जा रही हैं। कार्यक्रम के मुताबिक वहां से पहली उड़ान गुरुवार को भारतीय समयानुसार रात नौ बजे निर्धारित थी। इस उड़ान से पहले, दूसरे और तीसरे वर्ष के छात्रों को लाया जा रहा है। दूसरी उड़ान रात 10.30 बजे निर्धारित थी और इससे चौथे और पांचवे वर्ष के छात्रों को लाया जा रहा है। तीसरी उड़ान रात 11.30 बजे निर्धारित थी और इसमें पांचवे और छठे वर्ष के छात्रों के साथ-साथ ऐसे छात्रों को लाया जा रहा है जिनके साथ उनके पालतू जानवर हैं या जो पहले वहां छूट गए थे मालूम हो कि सूमी से इन छात्रों को मंगलवार को बसों से नजदीकी शहर पोल्टावा लाया गया था। वहां से वे विशेष ट्रेन के जरिये पश्चिमी यूक्रेन के शहर लवीव पहुंचे थे।

'राजनीति में मोदी के प्रभुत्व को मजबूत करेगी चार राज्यों में भाजपा की जीत

वशिंगटन। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों पर करीब से नजर रख रहे अंतर्राष्ट्रीय मीडिया का मानना है कि उत्तर प्रदेश समेत चार राज्यों में भाजपा की रिकार्ड जीत भारतीय राजनीति में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रभुत्व को निकट भविष्य में फिर से मजबूत करेगी। वाशिंगटन पोस्ट की खबर के मुताबिक, भाजपा ने यह जीत कल्याणवाद, हिंदुत्व और मोदी की लोकप्रियता के स्तंभ पर खड़े गवर्नेंस माडल पर हासिल की है। उत्तर प्रदेश में अपनी प्रचंड जीत से भाजपा ने दिखा दिया है कि अर्थव्यवस्था के प्रबंधन को लेकर उसकी आलोचना से निपटने के लिए उसका जनसमर्थन बरकरार है। इन चुनाव परिणामों ने 2024 के आम चुनाव जीतने की भाजपा की संभावनाएं बढ़ा दी हैं। अखबार यह भी लिखता है कि भाजपा की जीत राष्ट्रीय राजनीति में उसकी स्थिति मजबूत करेगी और भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने और पंथनिरपेक्षता के संस्थापक सिद्धांतों से दूर होने के मोदी के दृष्टिकोण को जोरदार समर्थन प्रदान करेगी। न्यूयार्क टाइम्स ने लिखा है कि मोदी की पार्टी को राज्यों और आम चुनावों में कभी कभी मजबूत क्षेत्रीय पाटिर्यों के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा है, लेकिन इनमें से किसी के लिए भी विपक्षी पार्टी के रूप में उभरकर देश पर उनकी पकड़ को चुनौती देना आसान नहीं होगा। राष्ट्रीय स्तर पर मौजूदगी वाली सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी कांग्रेस तेजी से कमजोर होती दिखाई दे रही है।लंदन स्थित डेली टेलीग्राफ लिखता है कि उत्तर प्रदेश में जीत से मोदी की 2024 में लगातार तीसरी जीत हासिल करने की उम्मीदों को बल मिलेगा और पिछले दशकों में देश के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता की उनकी छवि और मजबूत होगी।बीबीसी का कहना है कि यह दिन अपने-अपने राज्यों में इतिहास रचने वाले दो व्यक्तियों के नाम है। एक हैं उत्तर प्रदेश के वर्तमान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और दूसरे हैं पंजाब के भावी मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान।

जंग का तीसरा हफ्ता, मारियूपोल में सुरक्षित कारिडोर पर हमला; जानें सीजफायर व निकासी को लेकर रूस का नया वादा कीव, एएफपी। यूक्रेन में रूस के साथ जंग अब तीसरे सप्ताह में प्रवेश कर चुका है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने मारियूपोल में निकासी के लिए बनाए गए सुरक्षित कारिडोर पर रूस द्वारा हमले किए जाने की बात कही है।इससे पहले रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा है अब हर दिन सुबह दस बजे यूक्रेन से रूस तक निकासी के लिए सुरक्षित कारिडोर मुहैया कराई जाएगी। यूक्रेन के पांच शहरों से अब तक करीब 40 हजार लोगों की सुरक्षित निकासी हो चुकी है। यह जानकारी स्वयं राष्ट्रपति जेलेंस्की ने दी। लेकिन उन्होंने अफसोस जाहिर किया और बताया कि मारियूपोल के दक्षिणी शहर से किसी को भी निकाला नहीं जा सका है। राष्ट्रपति ने जानकारी दी कि रूसी विमान ने खार्कीव के एक इंस्टीट्यूट पर बम बरसाए हैं। यूक्रेन के शिक्षा एवं विज्ञान मंत्री सेरही शकरलेट के हवाले से कीव इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट में बताया गया है कि रूसी सेना ने बमबारी और गोलाबारी से 280 शैक्षणिक संस्थानों को नष्ट या क्षतिग्रस्त कर दिया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद शुक्रवार को बैठक करेगी जिसमें रूस के उस दावे पर चर्चा की जाएगी जिसमें यूक्रेन पर जैविक हथियारों के इस्तेमाल को लेकर अमेरिका ने आशंका जताई है। परिषद की यह बैठक स्थानीय समयानुसार शुक्रवार सुबह दस बजे होगी। नाम न बताने की शर्त पर एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है। गुरुवार दोपहर को रूस ने इस बैठक के लिए एक ट्वीट के जरिए अपने पहले डिप्टी यूएन एंबेस्डर दमित्री पालिएंस्की से अपील की। इस बीच रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि शुक्रवार को यह सीजफायर का ऐलान करेगा और पांच शहरों से सुरक्षित कारिडोर को खोलेगा। अभी रूस ने यूक्रेन के चार बड़े शहरों को घेर लिया है और राजधानी कीव की सीमा के करीब तक पहुंच चुकी है। ताबड़तोड़ रूसी हमलों के बावजूद पूरब में खारकीव अभी यूक्रेन के पास है वहीं उत्तर पूर्व में सूमी रूसी सैनिकों के घेरे में है लेकिन मानवीय कारिडोर के जरिए यहां से हजारों लोग सुरक्षित निकलने में कामयाब रहे। इसके अलावा राजधानी कीव भी अभी यूक्रेन के पास है। बता दें कि कीव पर रूस की पैनी नजर है और शहर की सीमा पर चारों ओर से रूसी सैनिकों के वाहन देखे जा सकते हैं। बुधवार को मारियूपोल में बच्चों के अस्पताल को रूसी हवाई हमले ने तबाह कर दिया। इस घटना से यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की काफी गुस्से में आ गए और इसे रूस का युद्ध अपराध करार दिया। पिछले हफ्ते रूसी सैनिकों ने खेरसन पर कब्जा कर लिया जो क्रीमिया के उत्तर में है और अब उत्तर पश्चिम में माइकोलैव के लिए जंग जारी है। कुछ सूत्रों के अनुसार माइकोलैव से होते हुए रूस की मंशा ओडेशा पहुंचने की है। पश्चिमी यूक्रेन अब तक जंग से बचा हुआ है।

विपक्षी विकल्प बनने की ओर आप ने बढ़ाए कदम, भाजपा और कांग्रेस के बाद तीसरी ऐसी पार्टी जिसकी दो राज्यों में सरकार

नई दिल्ली। पंजाब में महाजीत के साथ सत्ता हासिल करके और गोवा में पहली बार खाता खोलकर आम आदमी पार्टी (आप) ने विपक्षी राजनीति के राष्ट्रीय फलक पर अपनी जगह बनाने की दिशा में गंभीर कदम बढ़ा दिए हैं। पार्टी गठन के नौ साल के भीतर केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली की सीमा पार करते हुए पंजाब में लगभग तीन चौथाई बहुमत हासिल कर आप मौजूदा समय में भाजपा और कांग्रेस के बाद कम से कम दो राज्यों में अपनी सरकार बनाने वाली तीसरी पार्टी बन गई है। आप ने इस कामयाबी के दम पर कांग्रेस के लिए गंभीर चुनौती पेश कर दी है। इतना ही नहीं, विपक्षी सियासत को आगे बढ़ाने की होड़ में शामिल कई क्षेत्रीय दलों के क्षत्रपों के लिए अब आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल की अनदेखी संभव नहीं होगी। पंजाब में 42 प्रतिशत से अधिक वोट हसिल कर और 92 सीटों पर जीत दर्ज कर दिल्ली से बाहर पांव फैलाने की आप की यह उपलब्धि सियासी रूप से बेहद मायने रखती है। दरअसल, बीते तीन दशक के दौरान देश की राजनीति में भाजपा, कांग्रेस और वामपंथी दलों के अलावा कोई भी अन्य पार्टी दो प्रदेश में सरकार नहीं बना सकी है। चाहे राष्ट्रीय विपक्षी राजनीति की पताका थामने की महत्वाकांक्षा को लेकर सक्रिय तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी हों या टीआरएस प्रमुख के चंद्रशेखर राव। इनकी पार्टियां भी ऐसा कमाल नहीं कर सकी हैं। विपक्षी खेमे की सियासत में सक्रिय रही समाजवादी पार्टी, राजद, द्रमुक व शिवसेना हो या फिर शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस, इनमें से कोई भी एक से अधिक राज्य में सत्ता हासिल नहीं कर पाई है। पंजाब की सत्ता गंवाने के बाद कांग्रेस की भी अपने बलबूते अब केवल राजस्थान और छत्तीसगढ़ में ही सरकार है। राष्ट्रीय पार्टी बनने के लिए चार राज्यों में छह प्रतिशत से अधिक वोट हासिल करना जरूरी होता है। राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करने के लिए अब आप को दिल्ली, पंजाब और गोवा के बाद केवल एक राज्य में छह प्रतिशत वोट हासिल करने की जरूरत है। पार्टी गुजरात व हिमाचल प्रदेश में इसी साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में इस लक्ष्य को हासिल करने के साथ ही अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज करने के लिए कमर कसती नजर आ रही है। दिलचस्प यह भी है कि आप को राष्ट्रीय विकल्प बनाने की अपनी हुंकार के दौरान केजरीवाल ने राष्ट्रीय राजनीति में भाजपा के उभार के बाद राष्ट्रीय विमर्श की धुरी बने नरम हिंदुत्व और राष्ट्रवाद की लाइन पर चलने का संकेत दिया है। भगवान राम के इर्द-गिर्द रही भाजपा की सियासत के जवाब में केजरीवाल ने अपने संबोधन से पहले अपनी हनुमान भक्ति को फिर से जाहिर करने से परहेज नहीं किया। पंजाब की जीत के बाद वह पहले हनुमान मंदिर में दर्शन करने गए, उसके बाद अपना संबोधन दिया। संबोधन की शुरुआत और अंत में बार-बार भारत माता और वंदे मातरम का जयघोष करते हुए साफ कर दिया कि राष्ट्रवाद और नरम हिंदुत्व के नैरेटिव पर वे भाजपा को चुनौती देने का जोखिम लिए बिना आप को राष्ट्रीय विकल्प बनाने की कोशिश करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

यूपी-उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव लड़ने वाले हरियाणा के चारों दिग्गज नेताओं का कैसा रहा हा पढिये- पूरी खबर

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड चुनाव में अपना भाग्य आजमा रहे हरियाणा के चारों प्रमुख नेता चुनाव हार गए हैं। पूर्व मंत्री करतार भड़ाना पश्चिमी उत्तर प्रदेश में खतौली विधानसभा सीट पर बसपा के टिकट पर अपनी जमानत बचाने में भी कामयाब नहीं हो पाए। हालांकि वे 2012 में खतौली से विधायक रह चुके हैं। हरियाणा के समालखा से दो बार विधायक रह चुके करतार भड़ाना खतौली में इस बार सिर्फ 14.15 फीसद मत ही ले पाए। करतार तीसरे नंबर पर रहे। रालोद-सपा गठबंधन प्रत्याशी राजपाल सैनी खतौली पर दूसरे नंबर पर रहे। इस सीट पर भाजपा के विक्रम सिंह ने जीत दर्ज की है। करतार भड़ाना के छोटे भाई और हरियाणा में मंत्री सहित चार बार सांसद रह चुके अवतार भड़ाना उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर जिला की जेवर विधानसभा सीट से चुनाव लड़े मगर वे भी हार गए। अवतार भड़ाना को 26.25 फीसद मत मिले। अवतार को भाजपा के धीरेंद्र सिंह भाटी ने 56,315 मतों से हराया। इस सीट पर बसपा के नरेंद्र 45,256 मत लेकर तीसरे नंबर पर रहे। अवतार और करतार भड़ाना दोनों सगे भाई है मगर दोनों अलग राजनीतिक दलों से चुनाव लड़े। रहने वाले डाक्टर संजय लाठर उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के सक्रिय नेता हैं। डाक्टर लाठर उत्तर प्रदेश में मथुरा जिला के मांट विधानसभा क्षेत्र से सपा-रालोद गठबंधन के टिकट पर चुनाव लड़े। उन्हें 26.75 फीसद मत मिले। इस सीट से भाजपा के राजेश चौधरी 37.44 फीसद मत लेकर चुनाव जीते। यहां डाक्टर संजय लाठर तीसरे नंबर पर रहे और दूसरे नंबर पर 33.24 फीसद मत लेकर बसपा के श्यामसुंदर शर्मा रहे। सफीदों हल्के के गांव गांगुली के रहने वाले सतपाल ब्रह्मचारी ने उत्तराखंड के हरिद्वार विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा। यहां भाजपा के मदन कौशिक ने सतपाल ब्रह्मचारी को 15237 मतों से हराया।

गैस लीक प्रकरण की जाच के आदेश

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर सुहास एल वाई ने सर्वसाधारण का आह्वान करते हुए जानकारी दी है कि दैनिक समाचार पत्र दा टाईम्स आफ इण्डिया में प्रकाशित समाचार का स्वतः संज्ञान लेते हुए आवश्यक प्रतीत होता है कि घटना की जाँच की जाये। उन्होंने बताया कि घटना की जॉच के लिए नगर मजिस्ट्रेट नोएडा धमेन्द्र कुमार-अध्यक्ष, ओ0एस0डी0 (मुख्य कार्यपालक अधिकारी, नोएडा प्राधिकरण द्वारा नामित)-सदस्य, ए0सी0पी0(पुलिस आयुक्त गौतम बुद्ध नगर द्वारा नामित)-सदस्य, जिला पूर्ति अधिकारी, गौतमबुद्धनगर चमन शर्मा-सदस्य/सचिव अधिकारियों की जाँच समिति गठित की गई है। उन्होंने जॉच समिति को निर्देशित किया है कि घटना की सम्यक जॉच कर अपनी जॉच आख्या एक सप्ताह में अधोहस्ताक्षरी के सम्मुख प्रस्तुत करे। राकेश चौहान जिला सूचना अधिकारी ने दी ।

भारतीय जनता पार्टी की जीत नोएडा की जनता के अटूट विश्वास और प्रेम को समर्पित

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। भाजपा के नोएडा विधानसभा प्रत्याशी पंकज सिंह ने रिकॉर्ड मतों से हुई अपनी विजय को नोएडा की जनता को समर्पित किया उन्होंने कहा की यह जीत नोएडा वासियों की जीत है उन्होंने कहा 2022 के विधानसभा चुनावों में संपूर्ण उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के साथ-साथ उत्तर प्रदेश की जनता भी यह चुनाव लड़ रही थी उन्होंने कहा नोएडा की जनता ने विकास को सुदृढ़ शासन व्यवस्था को ईमानदार एवं पारदर्शी योगी सरकार को एक बार पुनः उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए चुना ।

सीतापुर में लहराया भाजपा भाजपा का परचम

(आधुनिक समाचार सेवा).
आशीष त्रिवेदी

सीतापुर। के सांसद राजेश वर्मा के कुशल नेतृत्व एवं जिला अध्यक्ष अचिन मेहरोत्रा के बेहतरीन रणनीति एवं कुशल प्रबंधन के चलते भारतीय जनता पार्टी ने सीतापुर की मे रचा इतिहास 2017 के मुकाबले 2022 में एक सीट ज्यादा भाजपा को मिली सीतापुर की 9 विधानसभाओं में से 8 विधानसभा पर भारतीय जनता पार्टी का भगवा लहराया, सदर विधानसभा से राकेश राठौर (गुरु), हरगांव विधानसभा से सुरेश राही, महोली विधानसभा से शशांक त्रिवेदी ,सेवता विधानसभा से ज्ञान तिवारी, महमूदाबाद विधानसभा से आशा मौर्य , मिश्रिख विधानसभा से रामकृष्ण भार्गव ,सिधौली विधानसभा से मनीष रावत, बिसवां विधानसभा से निर्मल वर्मा ने जीत दर्ज कराई ,इनमें से हरगांव , महोली ,सेवता , मिश्रिख विधानसभा में भाजपा के मौजूदा विधायक ने ही जीत हासिल की वही महमूदाबाद में 2017 में रही आशा मौर्या जीत हासिल की, वही बिसवां एवं सिधौली से अन्य दलों से आए पूर्व विधायकों उतार कर अपने कार्यकर्ताओं के लिए चुनौती खड़ी कर दी थी किंतु जिला अध्यक्ष की कुशल टीम एवं संगठन व नगर अध्यक्ष की मेहनत से भाजपा ने सदर सीट पर भी

ने भाजपा को जीत दिलाई सीतापुर की सबसे ज्यादा चर्चित सदर सीट जिसमें भाजपा ने एक नया चेहरा ऐतिहासिक जीत हासिल कर विरोधियों को आश्चर्यचकित कर दिया।

गौतमबुद्ध नगर के तीनों सीटों पर खिला भाजपा का कमल

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जिले में

नोएडा से राजनाथ सिंह के बेटे पंकज सिंह रिकार्ड मत से जीत दर्ज की, दादरी विधान सभा सीट से तेजपाल नागर और जेवर विधान सभा सीट से धीरेन्द्र सिंह ने जीत दर्ज की। पिछले विधान सभा चुनाव 2017 में गौतमबुद्धनगर जिले के तीनों विधान सभा सीट से इन्हीं तीनों प्रत्याशियों ने जीत दर्ज कर भाजपा का झंडा गाड़ दिया है। भाजपा प्रत्याशी धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि चुनाव में बाहरी लोग आकर चुनाव में माहौल खराब करने की कोशिश की फिर भी पिछले विधान सभा चुनाव की अपेक्षा दो गुने मत से जीत दर्ज किया है। दादरी विधान सभा से तेजपाल नागर ने कहा कि हमारी जीत नहीं दादरी विधान सभा के एक एक मतदाताओं की जीत हुई है, सभी के सहयोग से जीत दर्ज किया गया है। जिलाधिकारी सुहास एल वाई ने जिले के मतदाताओं ने हिस्सा लिया सभी को बधाई दिया , शांतिपूर्ण निर्वाचन के लिए सभी जिला वासियों को धन्यवाद दिया ।पुलिस कमिशन्र आलोक कुमार सिंह ने कहा कि शांति के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ, पूरे पारदर्शिता के साथ चुनाव सम्पन्न हुआ। अगर अपराध करेंगे कानून के हद के बाहर होंगे फिर से वही शक्ति होगी जो पहले होती रही है।

सुल्तानपुर में चढ़ा भगवा रंग, पांचों सीटों पर भाजपा ने लहराया परचम

कार्यकर्ताओं ने जय श्री राम के नारों के साथ होली दिवाली मनाई व डांस कर मनाया जश्न

(आधुनिक समाचार सेवा)
जे पी सिंह

सुलतानपुर। भारतीय जनता पार्टी ने 1991 के बाद एक बार फिर पांचों सीटों पर भगवा रंग फहरा दिया है।पार्टी द्वारा जिले की पांच विधानसभाओं में जीत मिलने पर आवास पर एकत्रित होकर दोपहर बाद जीत का जशन मनाने लगे। भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ.आरए. वर्मा के कैम्प कार्यालय पहुंचनें पर उन्होंने कार्यकर्ताओं संग जीत की खुशी में होली खेली।इस मौके पर कार्यकर्ताओं और जिले की जनता

भाजपा नेताओं का ही नहीं कार्यकर्ताओं का जोश भी हाई है। भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता पार्टी के कैम्प कार्यालय गभड़िया स्थित विधायक सीताराम वर्मा के को संबोधित करते हुए पार्टी जिलाध्यक्ष ने पांचो विधानसभा में मिली जीत पर सभी को धन्यवाद कहा। उन्होंने कहा जिले और प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की जीत तुष्टीकरण व जाति के आधार पर राजनीति करने वालों के लिए जवाब है। उन्होंने कहा हम 10 मार्च को जय श्री राम के साथ सरकार बना रहे हैं।इससे अच्छी सरकार नहीं मिल सकती। पार्टी प्रवक्ता विजय सिंह रघुवंशी ने बताया की जिले की पांचों विधानसभा सीट जीतने पर पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने जय श्री राम के नारों के साथ होली दिवाली मनाई व डांस कर जशन मनाया। इस मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश जयसवाल प्रीति प्रकाश प्रवीण कुमार अग्रवाल, विजय मिश्रा,महामंत्री विजय त्रिपाठी संदीप सिंह धर्मेंद्र कुमार,घनश्याम चौहान,काशी क्षेत्रीय मंत्री कंचन कोरी, जिला मंत्री आशीष सिंह, भाजपा नेता बाबी डॉ रामजी गुप्ता,ब्लाक प्रमुख राजेंद्र वर्मा, कुंवर बहादुर सिंह, शिवाकांत मिश्रा,पूजा कसौधन,आज़ादर हुसैन,मीडिया विभाग के जिला संयोजक अरुण द्विवेदी,मीडिया सह संयोजक जे पी सिंह,सांसद कार्यालय प्रभारी रामचंद्र दुबे, मुन्न चौबे,अजय पांडे दिलीप मिश्रा, लकी झा, सचिन चोपड़ा, राजीव सिंह, डब्बू सिंह, आनंद चौबे,

आंगनवाड़ी केंद्रों में अनिश्चितकाल के लिए लटक रहे ताले

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

सतना । मध्य प्रदेश बुलंद आवाज नारी शक्ति आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संगठन द्वारा 17 सूत्री मांगों को लेकर सतना कलेक्ट्रेट के पीछे अनिश्चितकालीन जंगी प्रदर्शन का आगाज किया है जिसमें बुलंद

आवाज नारी शक्ति आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संगठन की अनिश्चितकालीन हड़ताल हजारों आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं सहायिकाओं की उपस्थिति में 10 मार्च से प्रारंभ की जा चुकी है जिस पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने आंगनबाड़ी केंद्रों में ताला बंद करके हड़ताल के लिए सड़कों पर उतर आई हैं जिसकी जानकारी देते हुए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संगठन की जिला अध्यक्ष अंजू सिंह बघेल ने बताया कि उन्होंने यह हड़ताल 17 सूत्री मांगों को लेकर प्रारंभ किया है उन्होंने कहा कि अगर सरकार उनकी मांगे नहीं मानती तो वह अनिश्चितकालीन हड़ताल इसी तरह जारी रखेंगी जिसमें हड़ताल में मुख्य रूप से संयुक्त मोर्चा मध्यप्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष विकल्प गौतम लघु वेतन कर्मचारी संघ के पूर्व अध्यक्ष जयप्रकाश मिश्रा बुलंद आवाज की ओर से संरक्षक एसडी निगम सचिव सुषमा श्रीवास्तव सह सचिव अनीता तिवारी संगठन मंत्री रेनू सिंह उपाध्यक्ष राजकुमारी मिश्रा कोषाध्यक्ष निर्मला शुक्ला जिला प्रवक्ता रागिनी शर्मी दुर्गा मौर्य पुष्पा जयसवाल सुनीता मिश्रा पूनम शुक्ला कमला विश्वकर्मा सलमा बेगम मीना पांडेय प्रीति द्विवेदी कलावती तिवारी किरण सिंह रेखा मिश्रा रश्मि पाल मीणा श्रीवास्तव रचना मिश्रा माया रैकवार संध्या गुप्ता रैना द्विवेदी माधुरी नामदेव श्रष्टी सिंह पूजा पाण्डेय सरला सिंह के साथ हजारों आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं केंद्रों में ताला लटका कर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर शामिल हुई।

कभी शिअद की रैलियों में करते थे कामेडी, आज उसके दिग्गजों को हराकर बनेंगे सीएम, जानें भगवंत मान की कहानी

चंडीगढ़। संगरूर के गांव सतौज का 'जुगनू' जिसने अपना करियर कमेडियन 'झंडा अमली' के रूप में शुरू किया आज पूरे पंजाब के लिए सीएम

साहिब बनने वाला है। हम भगवंत मान की बात कर रहे हैं, जो सांसद बनने के बाद अब पंजाब के मुख्यमंत्री बनने वाले हैं। कभी शिरोमणि अकाली दल की रैलियों में सियासी कटाक्षों से कामेडी करने वाले भगवंत मान, अब उसके ही (शिअद के) दिग्गजों को हराकर सीएम बनने जा रहे हैं। दरअसल भगवंत मान की करियर की कहानी बेहद रोचक है। सीएम की कुर्सी तक पहुंचने वाले मान यह सफर आसान नहीं था। सेलिब्रिटी होने के बावजूद जिस सादगी से वह आगे बढे और उन्होंने जो मेहनत की उसी का नतीजा है कि जनता ने उनके सिर ताज सजाने का फैसला किया। वह शपथ लेने के साथ ही पंजाब के 18वें मुख्यमंत्री बनेंगे। वह अपनी रैलियों में जिन पॉलिटिकल कटाक्ष के लिए जाने जाते हैं और भीड़ को जुटाने में सबसे माहिर माने जाते हैं, उनका वह अंदाज आज से नहीं बल्कि विद्यार्थी जीवन से ही है। नब्बे के दशक में जब वह सुनाम में कॉलेज गए तभी से ही स्टेज पर कामेडी करते रहे हैं। यही नहीं तब की सत्तारूढ़ शिरोमणि अकाली दल की रैलियों में वह कामेडी करते थे। दरअसल भगवंत मान इतना मशहूर हो गए कि उनको पहले जुगनू और फिर झंडा अमली कानाम मिल गया। यहीं से उन्हें सियासती कटाक्ष करने का चस्का लग गया और वह अखबारों के लिए आर्टिकल भी लिखने लगे। 2011 में जब मनप्रीत बादल ने शिरोमणि काली दल से अलग होकर अपनी पंजाब पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) बनाई तो तो भगवंत मान उसमें शामिल हो गए। पहली बार उन्होंने 2012 में लहरागागा से विधानसभा में बीबी राजिंदर कौर भट्ठल के खिलाफ चुनाव लड़ा लेकिन हार गए। इसी दौरान पंजाब में आम आदमी पार्टी का उभार हुआ और वह आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। पार्टी ने 2014 के लोकसभा चुनाव में उन्हें संगरूर से टिकट दिया और उन्होंने विजय इंद्र सिंगला और सुखदेव सिंह ढींडसा जैसे दिग्गजों को एक लाख से ज्यादा के मतों से हरा दिया। हालांकि तब तक पार्टी ने उन पर ज्यादा भरोसा नहीं किया था। ऐसे में उन पर आरोप भी लगते रहे कि वह पार्टी में बड़े नेताओं को आने नहीं दे रहे हैं। लेकिन, जब 2017 में आम आदमी पार्टी को अपेक्षित कामयाबी नहीं मिली तो भगवंत मान भी काफी निराश हो गए। इसके कुछ ही समय बाद वह फिर से लोगों के बीच आ गए और उनको पंजाब में आप का प्रधान बनाया गया। पंजाब में पार्टी की कमान मिलने के बाद उन्होंने पूरे राज्य में जाना शुरू किया। 2017 में जहां पार्टी का जनाधार सिर्फ मालवा क्षेत्र में था, भगवंत उसे माझा और दोआबा में भी ले गए। उनकी इसी मेहनत के चलते आज लोगों ने उनके नाम पर मुहर लगाई है और उन्हें ऐसा फतवा दिया है कि आज तक पंजाब के राजनीतिक इतिहास में किसी भी पार्टी को नहीं मिला। सेलिब्रिटी होने और दो बार सांसद बनने के बावजूद भगवंत मान ने जिस प्रकार से अपने आप को जमीन से जोड़े रखा है उसी कारण लोगों ने उन पर भरोसा जताया है। उन पर कभी किसी किस्म का भ्रष्टाचार करने का आरोप नहीं लगा। आज भी वह किराये के मकान में रहते हैं।

नोएडा मे भाजपा की जीत मतदाताओं के अटूट विश्वास और प्रेम को समर्पित -श्रीमती संतोष सिंह

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। भाजपा के नोएडा विधानसभा प्रत्याशी पंकज सिंह के रिकॉर्ड मतों से हुई विजय को नोएडा की जनता को समर्पित है। उक्त विचार भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की युवा नेत्री श्रीमती संतोष सिह ने पंकज सिंह की जीत के बाद हमारे ब्यूरो प्रभारी देव मणि शुक्ल से एक साक्षात्कार मे कही। उन्होंने कहा की यह जीत नोएडा वासियों की जीत है उन्होंने कहा 2022 के विधानसभा चुनावों में संपूर्ण उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के साथ-साथ उत्तर प्रदेश की जनता भी यह चुनाव लड़ रही थी उन्होंने कहा नोएडा की जनता ने विकास को सुदृढ़ शासन व्यवस्था को ईमानदार एवं पारदर्शी योगी सरकार को एक बार पुनः उत्तर प्रदेश को

उत्तम प्रदेश बनाने के लिए चुना है।नोएडा विधायक पंकज सिंह रिकॉर्ड मतों से विजयी हुए है, नोएडा की जनता के असीम आशीर्वाद के फल स्वरुप उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी समाज वादी पार्टी के प्रत्याशी सुनील चौधरी को 181512 मतों से पराजित किया है। जो कि अधिकतम मतों से विजयी होने का एक राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बन गया है ।नोएडा में कुल मतों में से पंकज सिंह को 72 से अधिक मतों से नोएडा की जनता ने पुनः अपना आशीर्वाद प्रदान दिया। इस अभूतपूर्व विजय का श्रेय श्रीमती संतोष सिंह ने नोएडा की जनता के साथ साथ प्रधानमंत्री मोदी एवं योगी की जनकल्याणकारी योजनाओं को भी दिया। उन्होंने बताया कि जिस प्रकार से पिछले 5 वर्षों में उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेस वे का जाल दिखाया गया है, वह उत्तर प्रदेश को विश्व के अनेक देशों से अग्रणी इस श्रेणी में खड़ा करता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से उत्तर प्रदेश में विदेशी निवेश आ रहा है वह विश्व में उत्तर प्रदेश की बढ़ती हुई साख का ही परिणाम है। जिस प्रकार से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को करोना काल मे संपूर्ण विश्व ने तारीफ करी ।विश्व स्वास्थ्य संगठन ने किया तथा अनेकों देशों ने अपने प्रतिनिधि भेज कर उत्तर प्रदेश के कोरोना वायरस को समझने का प्रयास किया जिससे कि वह भी इस महामारी से अपने देशवासियों को बचा सके यह निश्चित ही योगी जी के कुशल प्रबंधन और पारदर्शी व्यवस्था का प्रतिफल है।

भाजपा की जीत पर क्या बोले नेता सतीश महाना असीम अरुण और निरंजन ज्योति की प्रतिक्रिया

कानपुर। यूपी विधानसभा चुनाव परिणाम सामने आने के बाद भाजपा की बड़ी जीत से वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों ने खुशी का इजहार किया है। सभी ने विकास कार्यों को ही जीत का आधार बताया है। आइए पढ़ते हैं यूपी में जीत पर जनप्रतिनिधियों और मंत्रियों की खास प्रतिक्रिया। उत्तर प्रदेश के लोगों को मोदी का महामंत्र 'सबका साथ, सबका विश्वास, सबका विकास और सबका सहयोग' तो भाया ही, बाबा का बुलडोजर भी खूब पसंद आया। इसी का नतीजा है दोबारा प्रचंड जीत। -साक्षी महाराज, भाजपा सांसद जो संकल्प तैयार किया था, उसके अनुसार पांच साल शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार के क्षेत्र में काम करेंगे। मेरी जीत का श्रेय जनता को जाता है। प्रदेश सरकार की कानून व्यवस्था व विकास कार्य जीत का आधार रहे। असीम अरुण, विधायक कननैज

सदर पीएम मोदी और सीएम योगी की नीतियां जनता के दिलों में रच बस गई। जनता ने सूबे में बहुमत की सरकार का मार्ग प्रशस्त कर दिया। जनभावनाओं पर सरकार फिर खरा उतरेगी। जनता का कोटिशः वंदन और अभिनंदन है। -साध्वी निरंजन ज्योति, केंद्रीय राज्यमंत्री प्रदेश में सुशासन था। किसी तरह का कोई गुंडाराज नहीं था। इससे लोगों में सुरक्षा का अहसास पैदा हुआ। इसके अलावा प्रदेश में पिछले पांच वर्ष में जो विकास हुआ, उस तरह का कभी विकास नहीं हुआ था। -सतीश महाना, औद्योगिक विकास मंत्री। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनकल्याणकारी नीतियों के चलते उत्तर प्रदेश समेत चार राज्यों में पार्टी की विजय हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में गुंडाराज पर अंकुश लगा। महिलाओं को सुरक्षा मिली। -सत्यदेव पचौरी, भाजपा सांसद, कानपुर नगर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल के कुशल निर्देश में पार्टी और कार्यकर्ताओं ने यह चुनाव जीता है। -मानवेंद्र सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष, भाजपा कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र।

आपको रुला देगी कश्मीरी पंडितों की दुर्दशा पर बनी ये फिल्म, यहां पढ़ें रिव्यू

नई दिल्ली। अनुपम खेर और मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म द कश्मिर फाइल्स शुक्रवार को सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। कश्मीरी पंडितों की सच्ची त्रासदी पर आधारित ये फिल्म आपको हिला कर रख देगी। 1990 के का वो भयावह दौर जब कश्मीरी पंडितों को अपने ही घरों को छोड़ने पर मजबूर कर दिया गया था। फिल्म यह भी बताती है कि वो सिर्फ एक पलायन नहीं बल्कि नरसंहार था। डायरेक्टर विवेक अगिन्होत्री कि इस फिल्म में 'अनुच्छेद 370' से लेकर कश्मीर के इतिहास और पौराणिक कथाओं पर भी बात की गई है। इस फिल्म में इस बात का जिक्र प्रमुखता से किया गया है कि कैसे राजनीतिक कारणों से कश्मीरी पंडितों के नरसंहार को सालों साल दबा कर रखा गया। फिल्म की कहनी 1990 के दशक से शुरू होकर मौजूदा साल तक पहुंचती है। दिल्ली में पढ़ रहा कृष्णा (दर्शन कुमार) अपने दादाजी पुष्कर नाथ पंडित (अनुपम खेर) की आखिरी इच्छा पूरी करने के लिए श्रीनगर आता है। कश्मीर के अतीत से बेखबर वो अपने परिवार से जुड़ी सच्चाई की खोज में लग जाता है। यहां उसकी मुलाकात अपने दादाजी के चार दोस्तों से होती है। उनके बीच धीरे-धीरे कश्मीरी पंडितों के पलायन और नरसंहार की चर्चा शुरू होती है और कहानी पहुंचती है 1990 में। फिल्म में आगे दिखाया गया कि किस तरह कश्मीर की गलियों में आतंकी बंदूकें लेकर घूम हैं और कश्मीरी पंडितों को ढूंढ-ढूंढकर मारते हैं, क्या बुजुर्ग, क्या महिला, आतंकी बच्चों तक को नहीं छोड़ते। फिल्म में ये दृष्य देख आपकी रूह कांप जाएगी। आप कल्पना करने लग जाएंगे कि कैसा भय का माहौल होगा उस वक्त। कश्मीरी पंडितों पर हुई तमाम हिंसा को दिखाती इस में फिल्म ये भी दिखाया गया कि कैसे उस वक्त राज्य का प्रशासन भी असहाय हो गया था। एक्टिंग की बात करें तो अनुपम खेर अपने अभियन से आपके दिलों में उतर जाएंगे। वहीं, मिथुन चक्रवर्ती ने शानदार काम किया है। इनके अलावा फिल्म में दर्शन कुमार, पल्लवी जोशी, प्रकाश बेलावड़ी, पुनीत इस्सर, अतुल श्रीवास्तव, चिन्मय मांडलेकर, भाषा सुंबली भी अहम किरदार में नजर आए हैं। विवेक अगिन्होत्री ने सालों रिसर्च कर इस फिल्म की कहानी पर काम किया है जो स्क्रीन पर साफ नजर आता है। कश्मीरी पंडितों के विस्थापन और नरसंहार की इस कहानी में निर्देशक ने कई मुद्दों को छुआ है। निर्देशक ने खासतौर पर तीन किरदारों के जरिए कश्मीरी पंडितों की पीड़ा दिखाने की कोशिश की है। हालांकि कहानी में कई बार चीजों को दोहराया भी गया है, जो आपको थोड़ा अटपटा लग सकता है।

विवेक अग्निहोत्री ने साधा कपिल शर्मा पर निशाना, कहा- टीआरपी बटोरने के लिए करते हैं नेशनलिज्म की बात

मुंबई। विवेक अगिन्होत्री और कपिल की कंट्रोवर्सी थमने का नाम नहीं ले रही। विवेक अगिन्होत्री ने 'द कश्मीर फाइल्स' के 'द कपिल शर्मा शो' में प्रमोशन को लेकर ट्वीट किया था। जिसके बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने कपिल के शो को बॉयकॉट करने की बात की थी। विवेक अगिन्होत्री के ट्वीट के कुछ समय बाद ही कपिल ने अपनी बात ट्विटर पर कहते हुए विवेक अगिन्होत्री के आरोपों को वन साइडेड स्टोरी कहा था। जिस पर अब विवेक अगिन्होत्री ने दैनिक जागरण से एक्सक्लूसिव बातचीत करते हुए कपिल को चतुर और टीआरपी बटोरने वाला बताया। विवेक अगिन्होत्री ने हमसे एक्सक्लूसिव बातचीत में ये क्लियर किया कि कपिल शर्मा ने उनके शो में 'द कश्मीर फाइल्स' की स्टारकास्ट को बुलाने से साफ इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा, 'मेरे पास ऑफिशियल स्टेटमेंट है जो उन्होंने मीडिया को दिया है कि हम विवेक अगिन्होत्री, अनुपम खेर और पल्लवी जोशी को नहीं बुला सकते हैं। क्योंकि मिथुन चक्रवर्ती दूसरे चैनल पर शो कर रहे हैं। इसलिए उनका आना मुमकिन नहीं था। इसलिए हम ही अभी हैं जो फिल्म के लिए कुछ कर सकते हैं और हमारे को तो उन्होंने डायरेक्ट मना कर दिया। जब ये पूरी कॉन्ट्रोवर्सी शुरू हुई तभी एक-आध दिन पहले पल्लवी को बोला है अगर आप चाहे तो हम 15-16 अप्रैल को कर सकते हैं। फिल्म अभी रिलीज हो रही, बाद में क्या फायदा। और इन सबसे बचने के लिए कपिल शर्मा ने एक स्टेटमेंट भेज दिया और कल बोल दिया ये वन साइडेड स्टोरी है'। विवेक अगिन्होत्री ने आगे बात करते हुए कपिल शर्मा को चतुर और टीआरपी बटोरने वाला बताया। 'द कश्मीर फाइल्स' के निर्देशक ने कहा, 'स्टारकास्ट की बात भी छोड़ दीजिए। ये लोग इतनी कश्मीर और जवानों की बात करते रहते हैं कपिल वगैरह। उस पर ये खूब टीआरपी बटोरते हैं। अब कश्मीर आ रही है, जो सब चाह रहे हैं। तो आप कुछ नहीं कर सकते। लोग एक टेस्ट मैच जीतकर आ जाते है उन्हें बुला लेते है ये प्लेयर्स को, फिल्म जो कश्मीर के बारे में है और नेशनलिज्म जिसके बारे में बात करता है कपिल, फोटो खिंचवाने मोदी के पास पहुंच जाता है, तब इसको नहीं शर्म आती है ये बोलते हुए। बहुत चतुर है वह। आपने कही भी किसी भी रिएलिटी शो में देखा है हमारी फिल्म का प्रमोशन। सिर्फ मराठी चैनल में बुलाया जहां अनुपम खेर और पल्लवी जोशी गए थे। लेकिन हिंदी में कही भी प्रमोशन नहीं है। कोई नामोनिशान नहीं है। ऐसे-ऐसे फालतू लोगों को बुलाते हैं'। विवेक अगिन्होत्री की फिल्म को फैंस से तो प्यार मिल रहा है। लेकिन बॉलीवुड इंडस्ट्री में अब तक किसी कलाकार ने उनकी फिल्म को लेकर कोई प्रतिक्रिया जाहिर नहीं की है। निर्देशक से जब यह पूछा गया कि बॉलीवुड का कितना साथ है तो उन्होंने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री पर निशाना साधते हुए कहा, 'जीरो, आप देख लीजिये अगर कोई बॉलीवुड वाला लिखता है और बात करता हो तो। अगर ये फिल्म थोड़ी चल जाती है तो बॉलीवुड वालों पर थोड़ी समस्या खड़ी हो जाएगी। क्योंकि उनके ऊपर निर्भर हुए बिना और उनके आगे झुके बिना फिल्म अगर चल सकती है तो उनके लिए इस्टेब्लिशमेंट टूट जाएगा'। विवेक अगिन्होत्री से जब उनके फिल्म प्रमोशन के बारे में और लोगों के रिस्पॉन्स के बारे में हमने पूछा तो उन्होंने जवाब देते हुए कहा, ' मैं तो अभी फाइट में लगा हूं, लीगल केस सॉल्व करने में लगा हुआ हूं, कुछ समझ नहीं आ रहा'। जब उनसे ये पूछा कि किस तरह के लीगल केस हैं। तो जवाब में विवेक अगिन्होत्री ने कहा, 'वो लोग करते है जब फिल्में थोड़ी भी पॉलिटिकल हो थोड़ी तो इंडिया में'। हालांकि विवेक अगिन्होत्री ने ये भी साफ किया कि वह अपनी फिल्म को आगे नहीं बढ़ाएंगे और उनकी फिल्म आज यानी 11 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में अनुपम खेर, पल्लवी जोशी, मिथुन चक्रवर्ती, पुनीत इस्सर, दर्शन कुमार मुख्य भूमिका है। फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' कश्मीरी पंडितो की त्रासदी पर आधारित है।

शादी से पहले ही इस एक्ट्रेस की बाथरुम तस्वीरें हुई वायरल बाथटब में एक्ट्रेस को देख हैरान हुए फैंस

नई दिल्ली। शमा सिकंदर टीवी की जानी मानी अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। शमा एक्टिंग के साथ सोशल प्लेटफॉर्म पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। इन दिनों शमा अपनी शादी को लेकर खूब चर्चा में है। शमा जल्द ही अपने लॉन्ग टाइम ब्वॉयफ्रेंड जेम्स मिलेरन के साथ गोवा में सात-फेरे लेने वाली है। इन दिनों शमा अपनी शादियों की तैरियों में जुटी हैं। वहीं हाल ही में शमा ने अपनी गर्ल गैंग के साथ बैचलर पार्टी एंजॉय की थी, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी पसंद की थी। वहीं इसी बीच शमा की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं जिसके देखकर फैंस हैरान है। यहां देखें तस्वीरें दरअसल, शमा सिकंदर की वायरल हो रही तस्वीर में वह बाथटब में लेटी नजर आ रही हैं। इस तस्वीर में आप देख सकते है कि व्हाइट कलर का नाइट गाउन पहने बाथटब में पोज देती नजर आ रही हैं। बता दें कि शमा की ये तस्वीरें उनकी पजामा पार्टी की हैं जो उन्होंने अपनी गर्ल गैग संग सेलिब्रेट किया। इस दौरान शमा ने ब्राइड टू बी का चश्मा लगाया है। साथ ही उनके हाथ में एक वाइन का ग्लास भी नजर आ रहा है। वहीं दूसरी तस्वीरें में उनके साथ उनकी कई सारी फ्रेंड भी नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में शमा काफी खुश दिखाई दे रहीं हैं। इन फोटोज को सोशल मीडिया पर उनके चाहने वाले काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं इस पर कमेंट कर फैंस लगातार उन्हें बधाई देते नजर आ रहे हैं। शमा सिकंदर 14 मार्च को अपने अमेरिकन ब्वॉयफ्रेंड जेम्स मिलेरन के साथ शादी के बंधन में बंधेगी। आपको बता दें कि ये दोनों साल 2020 में तुर्की में शादी करने वाले थे। लेकिन कोरोना वायरस की महामारी की वजह से उन्हें अपनी शादी टालनी पड़ी और अब दो साल के इन्तजार के बाद फाइनली शमा सिकंदर अपने ब्वॉयफ्रेंड जेम्स के साथ गोवा में धूमधाम से शादी करने वाली है। रिपोर्ट्स की माने तो उनकी शादी में इंडस्ट्री के दोस्तों के अलावा इंटरनेशनल फ्रेंड्स भी शामिल होंगे। शमा सिकंदर ने अपने इंटरव्यू में बताया कि वह व्हाइट वेडिंग करेंगी।

संजीदा शेख ने फिर बढ़ाया इंटरनेट का पारा बिकिनी में शेयर की बोल्ड तस्वीर, बार बार देखी जा रही है

नई दिल्ली। छोटे पर्दे पर अपनी बोल्डनेस की वजह से सुर्खियों में रहने वाली एक्ट्रेस संजीदा शेख एक बार फिर से चर्चा में हैं। संजीदा एक्टिंग के साथ सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव है। वह आए दिन अपनी हॉट एंड बोल्ड तस्वीरों के जरिए फैंस को क्रेजी बना रही है। इसी बीच संजीदा की एक लेटेस्ट तस्वीर इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही है। इस तस्वीर में उनकी हॉटनेस देखते बन रही है। संजीदा शेख ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी एक लेटेस्ट तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में वह फिर से कैमरे के सामने बोल्ड होती नजर आई। हैं। फोटो में आप देख सकत है कि संजीदा व्हाइट कलर की बिकिनी पहने कैमरे के समने पोज दे रही हैं। वहीं इस दौरान उनके बाल ओपन है। फोटो में जिस तरह से संजीदा कैमरे की तरफ देख रही है वह किसी को भी अपना दीवाना बना सकती हैं। फोटो का बैकग्राउंड भी काफी शानदार नरज आ रहा है। तस्वीर देखकर साफ पता चल रहा है कि ये किसी वेकेशन के दौरान ली गई है। इस तस्वीर को देखकर फैंस लगातार अपनी प्रतिक्रिया दे रहे है। संजीदा शेख की इस तस्वीर को देखने के बाद फैंस अट्रैक्टिव, ब्यूटीफुल, आई लव यू, ऑसम और अमेजिंग, बोल्ड, फायर जैसे कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।संजीदा का ये वीडियो इंस्टाग्राम पर बड़ी तेजी से वायरल हो रही है। अबतक इसे लाखों बार देखा जा चुका है। संजीदा शेख ने हाल ही में एक बोल्ड वीडियो भी शेयर किया था। इस वीडियो में वह गाने पर डांस करते नजर आ रही हैं। उनका यह वीडियो काफी वायरल हुआ था। इसमें उन्हें 'पुष्पा' फिल्म के गाने पर बोल्ड डांस करते हुए देखा जा सकता है। संजीदा शेख के इंस्टाग्राम पर 44 लाख फॉलोअर्स है। वह अक्सर अपने फैंस से बातचीत भी करती है।

दीपिका पादुकोण ने अपनी बोल्डनेस से बढ़ाया इंटरनेट पारा

नई दिल्ली। बॉलीवुड सुपरस्टार दीपिका पादुकोण आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। दीपिका आज जिस मुकाम पर हैं जहां तक पहुंचना हर किसी के बस की बात नहीं है। अबतक के करियर में दीपिका ने कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। यहीं नहीं सोशल मीडिया पर भी उनकी काफी तगड़ी फैन फॉलोइंग है। एक्टिंग के साथ ही दीपिका सोशल प्लेटफॉर्म पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर ही अपनी हॉट एंड सिजलिंग तस्वीरें फैंस के साथ शेयर करती हैं। इसी बीच अब उनके लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंटरनेट पर चर्चा में बनीं हैं। इस फोटोशूट में एक बार फिर से दीपिका ने फैंस को दीवाना बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। दीपिका पादुकोण ने अपने इंस्टाग्राम पर अपने लेटेस्ट बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। ये फोटोशूट दीपिका ने मैग्जीन के लिए कराया है। इस दौरान वह काफी बोल्ड पोज देती दिख रही हैं। फोटोशूट की हर तस्वीर में उनका अलग और बोल्ड अंदाज देखने को मिल रहा है। पहली तस्वीर में वह आंखों पर डार्क मेकअप में नजर आ रही हैं। वहीं दूसरी तस्वीर में दीपिका ने यलो कलर का शिमली ड्रेस कैरी किया है। तीसरी तस्वीर में वह ओपन यलो जैकेट में ब्रालेट फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं। चौथी तस्वीर में उनकी स्मोकी आईज देखते ही बन रही है। पांचवी फोटो में वह बैक्लेस गाउन में अपनी हॉट बैक दिखाती नजर आ रही हैं। छठी तस्वीर देखने से पहले आप जरा दिल थाम लें। इस तस्वीर में वह पिकॉक ब्लू शर्ट के साथ ग्रीन स्कर्ट पहनी हुई थी। उनकी इस शर्ट के कुछ बटन फ्रंट से ओपन है। इन तस्वीरों में बला की बोल्ड नजर आ रही हैं। बता दें कि दीपिका पादुकोण इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'गहराइयां' को लेकर काफी सुर्खियों में रहीं है। ये फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। इस फिल्म में दीपिका के अलावा एक्ट्रेस अन्नया पांडे, सिद्धार्थ चतुर्वेदी और धैर्य करवा लीड रोल में नजर आए है। फिल्म को दर्शकों से मिक्स रिस्पॉन्स मिला है।

कानूनी पचड़े में फंसे पवनदीप और अरुणिता की बढ़ सकती हैं मुश्किलें यहां पढ़ें क्या है पूरा मामला

नई दिल्ली। सिंगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल 12' के विजेता रहे पवनदीप राजन और फर्स्ट रनर अप अरुणिता कांजीलाल कानूनी पचड़े में फंसते नजर आ रहे है। खबर है कि अरुणिता और पवनदीप पर ऑक्टोपस एंटरटेनमेंट कंपनी के साथ म्यूजिक एल्बम के शूट के लिए इनकार कर दिया, जिसके बाद काननू कंपनी ने कोर्ट का सहारा लिया है। टीओआई की एक रिपोर्ट के अनुसार पवनदीप और अरुणिता को जो लीगल नोटिस मिला है उसमें लिखा गया है कि ऑक्टोपस एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन से संपर्क किया गया था, जिसमें उन्होंने सूचित किया कि सोनी पिक्चर्स नेटवर्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने पवनदीप और अरुणिता की सर्विसेज देने के लिए उनके साथ एक समझौता किया था। ऑक्टोपस कंपनी का कहना है कि उन्होंने इंडियन आइडल 21 के विजेता को 20 रोमांटिक गानों के लिए साइन किया था। सोनी पिक्चर्स के साथ पवनदीप और अरुणिता को लेकर हुए ऑक्टोपस एंटरटेनमेंट के समझौते के अनुसार, सोनी ने दोनों कलाकारों की सर्विसेज देने के लिए अपनी सहमित जताई थी। पर यह कमिटमेंट इंडियन आइडल का विनर बनने से पहले दिया गया था। कंपनी के लोगों ने बहुत खर्चा करके एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में एल्बम के लॉन्च की घोषणा की थी, लेकिन अब कहा जा रहा है कि कलाकारों ने एक गाने की शूटिंग के बाद निर्माता के साथ सहयोग नहीं किया। रिपोर्ट के मुताबिक, पहले अरुणिता और फिर पवनदीप ने सोनी के कमिटमेंट के बावजूद शूटिंग में प्रोड्यूसर के साथ सहयोग करना बंद किया और फिर गाने की रिलीज और उसके प्रमोशन से भी इनकार कर दिया। जब सोनी को सूचित किया गया तब भी उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की, बल्कि कलाकारों का समर्थन किया। वहीं, जब आईएमपीपीए ने सोनी से उनका जवाब मांगा, तो उन्होंने यह कहते हुए ऐसा करने से इनकार कर दिया कि सोनी की यह विशेष कंपनी आईएमपीपीए की सदस्य नहीं है।

एडल्ट फिल्म इंडस्ट्री में काम करने को लेकर सनी लियोनी का बयान, कहा 'मेरी पसंद वो नहीं, जो दूसरे लोग बनाएं'

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री सनी लियोनी अपनी पिछली जिंदगी के बारे में हमेशा से खुलकर बात करती रहती हैं। वह मशहूर एडल्ट स्टार रह चुकी हैं। एडल्ट फिल्म इंडस्ट्री में काम करने को लेकर सनी लियोनी हमेशा से अपने इंटरव्यूज में भी बोलती रहती हैं। अब एक बार फिर से सनी लियोनी ने एडल्ट स्टार बनने को लेकर बड़ी बात कही है। साथ ही बताया है कि उन्होंने अपनी पसंद को लेकर भी बड़ी बात कही है। सनी लियोनी इन दिनों अपनी वेब सीरीज अनामिका को लेकर चर्चा में है। इस सीरीज में उन्होंने अपना एक्शन अंदाज है। सनी लियोनी इन दिनों अनामिका का जोर-शोर से प्रमोशन कर रही हैं। हाल ही में उन्होंने अंग्रेजी वेबसाइट इंडिया डॉट कॉम से बातचीत की। इस दौरान सनी लियोनी ने बॉलीवुड में अपने करियर के साथ एडल्ट फिल्म में काम करने से जुड़ी कई बातों को शेयर किया। सनी लियोनी ने कहा है कि किसी चीज को चुनना उनकी खुद की पसंद थी। दूसरों के हिसाब से नहीं चलतीं। अभिनेत्री ने साथ में यह भी कहा है कि खुद के लिए ईमानदार होना जरूरी है। सनी लियोनी ने कहा, 'मुझे पता है कि जिंदगी में मेरी पसंद वह नहीं है जो दूसरे लोग बनाएंगे और मैं नहीं चाहती कि वे उन विकल्पों को चुनें, लेकिन खुद के प्रति सच्चा होना सबसे अच्छी बात थी कि जो मैं अपनी जिंदगी के लिए कर सकती थी।बात करें सनी लियोनी की वेब सीरीज अनामिका की तो उनकी यह काफी समय से चर्चा में थी।

अंजलि अरोड़ा का सनसनीखेज खुलासा- मुझे लव एंगल दिखाने को कहा, बोले- यही बिकता है

नई दिल्ली। कंगना रनोट के अत्याचारी खेल ते ताजा एपिसोड में एक धमाकेदार खुलासा हुआ है। कंटेस्टेंट अंजलि अरोड़ा ने एक सनसनीखेज आरोप लगाया है। अंजलि के दावों से ये सामने आया कि कैसे रियलिटी शो में बने रहने के लिए कंटेस्टेंट्स प्यार का खेल खेलते है। उन्हें लगता है कि शो में फेक लव एंगल दिखाने से ज्यादा दिनों टिके रह सकते है। लॉकअप के लेटेस्ट एपिसोड में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अंजलि अरोड़ा ने मुनव्वर को बताया,'करणवीर अपनी पत्नी की तस्वीर के साथ आए और कहा, 'इस गेम में, यह मैं और तुम हो'। मुझे समझ में नहीं आया।' मुनव्वर के आगे पूछने पर अंजलि ने कहा, 'करण मुझसे लव रिलेशनशिप बनाने के लिए कह रहा था मुनव्वर ने अंजलि से कहा कि वह इस जेल के हर शख्स

को समझ चुका है और करणवीर बोहरा दोनों पक्षों से अच्छा होकर बहुत चालाकी से खेल रहे हैं। उन्होंने अंजलि से कहा कि वह इसे एक रियलिटी शो के रूप में नहीं सोच रहा है, लेकिन एक 24 7 की नौकरी की तरह है, जहां उसे अपनी आंखें और कान खुले रखने हैं और आनंद लेना है, खेल अपने आप खेलना शुरू हो जाएगा।यह सुनकर मुनव्वर चौंक गए और कहा, 'क्या तुम सच कह रही हो यह बहुत बेवकूफी है।' जिस पर अंजलि ने कहा, 'उन्होंने मुझसे कहा कि यही बिकता है। मेरी उम्र हो गई लेकिन तुम जवान हो, और अगर तुम मुझे पसंद करने लगोगी, तो लोग भी इसे पसंद करेंगे। तुम्हें ऑडियंस को दिखाना होगा कि तुम मेरे लिए पागल हो।मुनव्वर ने उससे पूछा, तुमने ये सब बताने में इतना समय क्यों लिया, क्या तुम सच में उसे पसंद करने का इंतजार कर रही थी जिस पर अंजलि ने कहा, 'क्या आप सीरियल है, बिलकुल नहीं।' उसने यह कहकर उसे चिढ़ाया कि, वह शरमा रही है और अंजलि ने सब हंसी में उड़ा दिया। उसने मुनव्वर से इसे सीक्रेट रखने और इसे किसी को न बताने के लिए कहा।

प्रभास की फिल्म 'राधे श्याम' के 100 टिकट की विजयवाड़ा के मेयर ने की डिमांड, वायरल हुआ लेटर

नई दिल्ली। प्रभास की हाल ही में फिल्म राधे श्याम रिलीज हुई है यह एक बहुचर्चित और बहुप्रतीक्षित फिल्म है यह फिल्म हाई बजट में बनी हुई है और पूरे भारतवर्ष के अलावा विदेशों में भी रिलीज हुई है इस फिल्म की रिलीज को कोरोना महामारी चलते कई बार टाल दिया गया थात् फिल्म के ट्रेलर, रिलीज और टीजर को देखते हुए लोगों ने इस फिल्म को लेकर काफी उत्सुकता हैं वह फिल्म को सिनेमाघरों में देखने के लिए उत्साहित है अब विजयवाड़ा के मेयर ने भी पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए सिनेमा की 100 टिकट मांग की हैत् उन्होंने पार्टी और बोर्ड के मेंबर के लिए सिनेमा की टिकट से मांगी है विजयवाड़ा के मेयर ने थिएटर मालिकों को एक लेटर दिया है इसमें उन्होंने हर शो के 100 टिकट मेयर के चेंबर में देने के लिए कहा है मेयर ने टिकटों के बदले कैश देने की भी बात कही है अब यह डिमांड लेटर सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और सभी का ध्यान आकर्षित कर रहा है विजयवाड़ा के मेयर ने अपने लेटर में लिखा है, 'विजयवाड़ा म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन आप लोगों को सूचित करता है कि हर महीने मॉल में कई फिल्में रिलीज होती है पार्टी भी कार्यकर्ता और वार्ड कार्पोरेटर हमें सिनेमाघरों में टिकट अरेंज करने के लिए कह रहे है इसके लिए हम आपसे सौ टिकट हर शो की मेयर चेंबर में देने का निवेदन करते हैं आपका जो भी चार्ज होगात् वह दे दिया जाएगा अगली बार से जब भी कोई नई फिल्म रिलीज हो, आपको इसी प्रोसीजर का पालन करना होगा प्रभास की बहुचर्चित फिल्म राधे श्याम को लेकर काफी अपेक्षाएं है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डा0 दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।